राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शनिवार, 12जुलाई 2025

वर्ष 14,अंक 93, पृष्ट 04,मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

धोखाधड़ी कर करोड़ों की जमीन बेचने वाला गैंग का सदस्य गिरफ्तार..03

बरसात के पानी को जल्द से जल्द निकालने की हर जुगत भिड़ा रहा नगर निगम..04

एयर इंडिया क्रैश- टेकऑफ से पहले ही बंद कर दिए गए फ्यूल स्विच? अमेरिका की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

स्वतंत्र प्रभात

अहमदाबाद- 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171 की दुर्घटना ने देश ही नहीं, दुनिया को भी झकझोर दिया। इस हादसे में 270 लोगों की मौत हुई, जिसमें 241 यात्री और 29 ज़मीनी लोग शामिल थे। अब इस भीषण विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट भारत में किसी भी वक्त जारी हो सकती है, लेकिन उससे पहले अमेरिका की एक बड़ी मीडिया रिपोर्ट ने मामले में नया मोड़ ला दिया है।

क्या टेकऑफ से पहले ही बंद कर दिए गए थे फ्यूल कंट्रोल स्विच?

'वॉल स्ट्रीट जर्नल' (WSJ) की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि प्रारंभिक जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि प्लेन के दोनों इंजनों में फ्यूल कंट्रोल स्विच टेकऑफ के समय बंद कर दिए गए थे। यही वजह बताई जा रही है कि विमान ने रनवे छोड़ने के कुछ ही सेकंड बाद थ्रस्ट खो दी और नीचे की ओर गिरने लगा। विमान अंततः एक मेडिकल कॉलेज हॉस्टल की बिल्डिंग से टकरा गया।

कोई तकनीकी खराबी नहीं, फोकस इंसानी गलती पर

अब तक की जांच में बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान में किसी किस्म की यांत्रिक खराबी के कोई साक्ष्य सामने नहीं आए हैं। इसके चलते जांच का फोकस अब पायलट्स के निर्णयों, उनके कॉकपिट मूवमेंट्स और खासतौर पर फ्यूल कंट्रोल स्विच के संचालन पर केंद्रित है। इन स्विचों का प्रयोग सामान्यतः इंजन स्टार्ट/शटडाउन या किसी इमरजेंसी में किया जाता है, लेकिन टेकऑफ के वक्त इनका बंद होना बेहद असामान्य और जानलेवा हो सकता है।

ब्लैक बॉक्स की भूमिका होगी निर्णायक

हादसे के कारणों का अंतिम निर्धारण अभी ब्लैक बॉक्स डेटा और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर की जांच पर निर्भर करेगा। फिलहाल शुरुआती जांच में यह संदेह सामने आया है कि संभवतः मानवीय भूल (Human Error) के चलते स्विच बंद हुए हों, लेकिन इस पर अंतिम निष्कर्ष जांच ब्यूरो ही निकालेगा।

भारत में भी जांच लगभग पूरी, रिपोर्ट किसी भी वक्त

भारत की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) ने पहले ही संकेत दिए थे कि हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट 11 जुलाई के आसपास सार्वजनिक की जा सकती है। ICAO (International Civil Aviation Organization) के नियमानुसार, किसी भी विमान दुर्घटना के 30 दिन के भीतर सदस्य देशों को शुरुआती जांच रिपोर्ट जारी करनी होती है। भारत ICAO का सदस्य है, और इसी दिशा में यह रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति की गवाही भी अहम

इस भीषण हादसे में चमत्कारिक रूप से एक यात्री जीवित बच गया, जिसने बाद में बताया कि टेकऑफ के कुछ ही क्षणों में विमान के अंदर कंपन और झटका महसूस हुआ था, और फिर अचानक सब अंधेरा हो गया। उसकी गवाही और कॉकपिट डेटा दोनों को जांच का हिस्सा बनाया गया है।

क्या कहती है वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट?

WSJ ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से लिखा है कि शुरूआती निष्कर्षों के अनुसार दुर्घटना के पीछे सबसे बड़ा कारण दोनों इंजनों में ईंधन प्रवाह को नियंत्रित करने वाले स्विचों का बंद होना हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, जांचकर्ता अब इस बात की तह तक जाने की कोशिश कर रहे हैं कि ये स्विच बंद कैसे और क्यों हुए—क्योंकि ऐसा कदम जानबूझकर नहीं, तो गलती से ही लिया गया होगा।

नजरें अब भारत की रिपोर्ट पर

अब सारी निगाहें भारत की ओर से जारी होने वाली प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जो हादसे के संभावित कारणों की आधिकारिक झलक देगी। इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की विस्तृत तकनीकी जांच की दिशा तय की जाएगी और संभावित सुरक्षा सुधारों की सिफारिशें भी सामने आ सकती हैं।

अब मध्यप्रदेश से निकलेंगे माल्या और नीरव? SBI के अफसरों ने ऐसा कांड कर दिया, जो कोई सोच भी नहीं सकता...

स्वतंत्र प्रभात

मध्य प्रदेश के विदिशा में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) में करोड़ों के लोन घोटाले का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि ब्रांच अधिकारियों ने बिना अधिकार बांटे लोगों को लोन दे दिया और करोड़ों रुपए लेने के बाद उधारकर्ता गायब हैं। गड़बड़ घोटाले का ये बड़ा खेल 2023 से शुरु हुआ। जहां बिना किसी अधिकृत पावर के लोन बांटे गए। अब 20 से अधिक उधारकर्ता लापता पाए गए हैं। विदिशा की एसबीआई शाखा में हुए करोड़ों के घोटाले में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब ब्रांच के पास लोन स्वीकृत करने की शक्ति ही नहीं थी, तो इतनी बड़ी रकम किसके इशारे पर और कैसे स्वीकृत हुई?

कागज़ों में लोन, ज़मीन पर लूट!

मामले में सबसे बड़ी लापरवाही यह पाई गई कि बिना किसी डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन, बिना फील्ड विज़िट, बिना किसी क्रेडिट असेसमेंट के फाइलें मंजूर की गई। ना आवेदकों की सही पहचान की गई, ना उनके बिज़नेस का वजूद, फिर भी करोड़ों की राशि सीधे खातों में ट्रांसफर कर दी गई। अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या सुनियोजित बैंक डकैती है या अधिकारियों द्वारा लापरवाही बरती गई है।

भोपाल से चला रिमोट- विदिशा में लिखी स्क्रिप्ट?

इस पूरे प्रकरण में भोपाल के सीनियर अफसरों की भूमिका अब शक के घेरे में है। विशेष रूप से तत्कालीन G M एवं वर्तमान G M कुंदन ज्योति, तत्कालीन छ्ववरूविजिलेंस और R M विनय सिंह? सवाल उठ रहे हैं कि क्या इन्हें इतने बड़े मामले का कुछ भी पता था? क्या उस समय के तत्कालीन R M बापूजी स्वाइन जो कि वर्तमान में D G M पदस्थ है, ये सब मामला उनको प्रमोशन दिलाने के लिए रचा गया था? आखिर कैसे उस समय के C M क्रेडिट, R M बापूजी स्वाइन, और D G M लोकेश चंद्रा (जो वर्तमान में त्नरूपदस्थ है) की आंखों के सामने ये घोटाला फल फूल रहा था या फिर ये सबकुछ जानते हुए भी आंखें मूंदे बैठे रहे, ताकि प्रमोशन की सीढ़ी चढ़ सकें?

50,000 रुपए की बीमा पॉलिसी और करोड़ों का फायदा?

सूत्रों की माने तो इन फर्जी लोन के साथ SBI लाइफ की पॉलिसी बेची गई, जिनकी औसत राशि मात्र 50,000 रुपए थी। लेकिन इन बीमा पॉलिसियों ने अधिकारियों के लिए "क्रॉस सेलिंग टारगेट"का जादू चलाया और इसके आधार पर उन्हें प्रमोशन का टिकट मिल गया।

D M D चंद्रशेखर शर्मा की चुप्पी क्यों?

बैंक में इस गड़बड़ घोटाले को लेकर CGM से D M D बने चंद्रशेखर शर्मा अब सवालों के घेरे में हैं कि क्या उन्हें इस पूरे मामले की भनक नहीं थी? या फिर उनके संरक्षण में ही यह खेल खेला गया? क्या प्रमोशन की हड़बड़ी ने ईमानदारी और पारदर्शिता को कुचल दिया?

इतिहास खुद को दोहरा रहा है?

ये कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी स्ब्क्ष्ठ पर इसी तरह के घोटाले उजागर हुए थे। खास बात यह कि इन्हें समय के साथ दबा दिया गया।

क्या मामले की होगी जांच, दोषियों को मिलेगी सजा?

इसके साथ ही अब सवाल उठने लगे हैं कि क्या कोई स्वतंत्र जांच एजेंसी सच्चाई की परतें खोलेगी? क्या मामले में जिम्मेदारों पर गाज गिरेगी। हालांकि करोड़ो के इस घोटाले में RBI, वित्त मंत्रालय और SBI चेयरमैन को हस्तक्षेप करना चाहिए और वर्तमान G M कुंदन ज्योति और D M D चंद्रशेखर शर्मा की भूमिका की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए? या हर बार की तरह "क्रॉस सेलिंग" और "टारगेट अचीवमेंट"की आड़ में ये मामला भी दफना दिया जाएगा?

संक्षिप्त ख़बरें

पटना में छ्अह की बड़ी कार्रवाई...ट्रैफिक नियम तोड़ने पर 578 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित

पटना- बिहार परिवहन विभाग (Bihar Transport Department) ने इस साल जनवरी से अब तक यातायात नियमों का बार-बार उल्लंघन करने पर पटना में 578 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस (Driving License) निलंबित कर दिए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (आईपीआरडी) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, "जिला परिवहन कार्यालय (डीटीओ) से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर, यातायात पुलिस ने जनवरी 2025 से जून 2025 तक 988 वाहन मालिकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने का प्रस्ताव दिया था। इनमें से 578 वाहन मालिकों के लाइसेंस पहले ही निलंबित कर दिए गए हैं और उन्हें (वाहन मालिकों को) "कारण बताओ नोटिस" जारी किए गए हैं।" बयान में कहा गया कि इसके अतिरिक्त, डीटीओ ने पंजीकरण निलंबित करने के लिए लगभग 900 वाहनों की पहचान की है। अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई से पहले इन वाहन मालिकों के जवाबों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने बताया कि वाहन मालिकों के पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर सूचना भेजी जा रही है।

पंजाब-हरियाणा के कई ठिकानों पर E D की छापेमारी, मचा हड़कंप

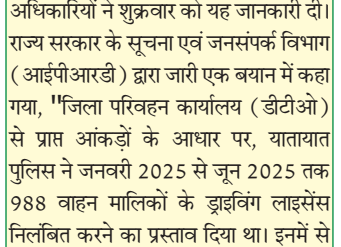

पंजाब-हरियाणा से बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, यहां ई.डी. (इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट) ने शुक्रवार को दोनों राज्यों के कई इलाकों में रेड की, जिससे हर तरफ भगदड़ मच गई। बताया जा रहा है कि उक्त छापेमारी इस साल अमेरिका द्वारा डिपोर्ट किए गए अवैध भारतीय प्रवासियों से जुड़े 'डंकी रूट' मामले की मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में की जा रही है। इनमें अमृतसर, संगरूर, पटियाला, मोगा समेत दोनों राज्यों के कई शहर शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, पंजाब के मानसा और हरियाणा के कुरुक्षेत्र व करनाल में कुल 7 स्थानों पर प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत तलाशी अभियान चलाया गया। यह छापेमारी 9 जुलाई को दोनों राज्यों में की गई कार्रवाई में मिले सुरागों के आधार पर की गई। ईडी ने बताया कि 9 जुलाई को की गई छापेमारी के दौरान 30 असली पासपोर्ट बरामद किए गए थे। साथ ही, उन एजेंटों और इमीग्रेशन एजेंसियों की पहचान भी हुई है जो भारतीयों को 'डंकी रूट'के जरिए अमेरिका जैसे देशों में गैर-कानूनी रूप से भेजने का कारोबार चला रहे थे।

शुक्रवार रात को निकलेगी जिंदा, बाबा ने मृत महिला को गोबर में दफनाकर किया तंत्र-मंत्र

उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले से अंधविश्वास से जुड़ा एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। तम्बौर थाना क्षेत्र के चकपुरवा गांव में सर्पदंश से 60 वर्षीय महिला की मौत के बाद परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार करने की बजाय, एक बाबा की सलाह पर उसे गोबर से भरे गड्ढे में दफन कर दिया। घटना के अनुसार, कला वती नाम की महिला को शुक्रवार को घर में कंडे हटाते समय सांप ने काट लिया। परिजन उसे तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हालांकि, डॉक्टरी पुष्टि के बावजूद परिजनों ने हार नहीं मानी और एक स्थानीय कथित बाबा कृपाल दास से संपर्क किया।

'गोबर से भरे गड्ढे में दफनाने से वह फिर से जीवित हो सकती है'

बाबा ने दावा किया कि महिला को गोबर से भरे गड्ढे में दफनाने और तंत्र-मंत्र करने से वह फिर से जीवित हो सकती है। इसके बाद रात 8 बजे महिला को उसी गड्ढे में दफनाया गया। बाबा ने कहा है कि शुक्रवार रात फिर से खुदाई की जाएगी और यदि "ऊपरवाले की मर्जी" हुई, तो महिला जिंदा वापस आ सकती है। गांव में अब इस पूरे मामले को लेकर चर्चा का माहौल है, जबकि प्रशासन और पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। यह घटना एक बार फिर ग्रामीण इलाकों में फैले अंधविश्वास और अज्ञानता की गंभीर तस्वीर पेश करती है।

कन्हैयालाल के बेटे यश तेली ने न्याय व्यवस्था पर उठाए सवाल कहा इंसाफ अभी अधूरा

स्वतंत्र प्रभात

टेलर कन्हैयालाल की हत्या पर बनी फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' पर दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने के बाद पीड़ित परिवार की पीड़ा फिर से उभर आई है। कन्हैयालाल के बेटे यश तेली ने न्याय व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा, "फिल्म पर तुरंत सुनवाई हो जाती है, लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद भी मेरे पिता के हत्यारों को सज़ा नहीं मिली। आखिर हमें इंसाफ कब मिलेगा?" 'उदयपुर फाइल्स', जो 11 जुलाई को देशभर के लगभग 3500 सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली थी, अब हाईकोर्ट के आदेश के चलते फिलहाल स्थगित कर दी गई है। इसमें उदयपुर के भी तीन प्रमुख थिएटर शामिल थे। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा है कि वह अपनी आपत्ति केंद्र सरकार के पास दर्ज कराएं और सरकार को सात दिन में सिनेमैटोग्राफ अधिनियम की धारा 6 के तहत निर्णय देने को कहा है।

गौरतलब है कि यह फिल्म 28 जून 2022 को कन्हैयालाल की उनकी दुकान में निर्मम हत्या पर आधारित है। यह हत्या मोहम्मद रियाज और गौस मोहम्मद ने दिनदहाड़े अंजाम दी थी। मामले की जांच एनआईए द्वारा की जा रही है, और अब तक 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। हालांकि, दो आरोपी फरहाद मोहम्मद उर्फ बबला और मोहम्मद जावेद – को कोर्ट से ज़मानत मिल चुकी है, जिससे पीड़ित परिवार खुद को असहाय महसूस कर रहा है। यश तेली का कहना है कि "ये केवल हमारे परिवार का नहीं, बल्कि पूरे देश की न्याय व्यवस्था का सवाल है। अगर फिल्म की रिलीज़ को रोका जा सकता है, तो क्या हमारे लिए इंसाफ भी नहीं मिल सकता?"कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर देशभर में भावनात्मक माहौल रहा है, और अब फिल्म पर रोक से एक नई बहस छिड़ गई है। क्या हमारी अदालतें संवेदनशील मामलों में न्याय की प्राथमिकता तय करने में संतुलन बना पा रही हैं?

नाबालिग लड़की का अपहरण कर दुष्कर्म और सहयोग करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

झुंझुनूं जिले की मुकुंदगढ़ थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण, दुष्कर्म और उसमें सहयोग करने के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया गया है। यह कार्रवाई कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक देवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सह वृताधिकारी नवलगढ़ राजवीर सिंह मार्गदर्शन में की गई। परिवादिया ने थाना मुकुंदगढ़ में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी नाबालिग बेटी परीक्षा का आवेदन पत्र जमा करवाने गई थी। वापसी में कॉलेज से निकलने पर गली में ग्राम बलारा के रेहान पुत्र फरमान, शम्मी पुत्र जब्बार उर्फ मंजरू और रिजवान पुत्र निसार अपनी अर्टिगा कार (ऋछ्व 30ए 2825) लिए खड़े थे। जैसे ही उनकी बेटी वहां से गुजरी, इन तीनों आरोपियों ने उसे पीछे से आकर नशीला पदार्थ सुंघाकर जबरदस्ती कार में डाल दिया और एक सुनसान जगह ले गए।

वहां आरोपी रेहान ने परिवादिया की नाबालिग बेटी के साथ कार में ही दुष्कर्म किया। इस दौरान शम्मी और रिजवान ने मिलकर इस पूरी घटना का वीडियो भी बनाया। दुष्कर्म के बाद, आरोपियों ने लड़की को सड़क पर पटक दिया और यह धमकी देते हुए चले गए कि यदि उसने इस घटना के बारे में किसी को बताया तो उसे और उसके परिवार को जान से मार देंगे, साथ ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे। रिपोर्ट पर तुरंत मामला दर्ज कर अनुसंधान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सह वृताधिकारी वृत्त नवलगढ़ राजवीर सिंह द्वारा आरंभ किया गया। प्रकरण में घटना की गंभीरता को देखते हुए, साक्ष्य संकलित कर नामजद आरोपियों रेहान पुत्र फरमान (18), शम्मी पुत्र जब्बार उर्फ मंजरू (21) और रिजवान पुत्र निसार (21) निवासी बलारा तथा वांछित अर्टिगा कार की तलाश के लिए थाना मुकुंदगढ़ से एक टीम गठित की गई। गठित टीम ने अथक मेहनत करते हुए तकनीकी और जमीनी स्तर पर आसूचना जुटाई और संभावित स्थानों पर दबिश दी। पुलिस की दबिश के बाद नामजद आरोपी रेहान, शम्मी और रिजवान को दस्तयाब कर लिया गया। अनुसंधान के बाद उनके खिलाफ अपराध प्रमाणित पाए जाने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही घटना में प्रयुक्त वाहन अर्टिगा कार को भी जब्त कर लिया गया है। इस सफल अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सह वृताधिकारी राजवीर सिंह चम्पावत के नेतृत्व में थाना प्रभारी हेड कांस्टेबल रामप्रताप और हेड कांस्टेबल जितेंद्र कुमार, सुरेंद्र कस्वां, कांस्टेबल मुल्तानाराम, बाबूलाल और प्रमोद कुमार शामिल रहे। कांस्टेबल मुल्तानाराम और बाबूलाल ने आसूचना संकलन में विशेष भूमिका निभाई।

मां-बेटी व आशिक... पहले शराब पिलाई, लहूलुहान करने के बाद साथ मिलकर देखी फिल्म और फिर कैब में...

स्वतंत्र प्रभात

प्यार और मोह के झांसे में आकर आजकल लोग पता नहीं क्या-क्या कर रहे हैं। तेलंगाना से एक ऐसा गजब लेकिन भयानक मामला सामने आया है जिसे सुनकर आप भी कहेंगे 'ये इंसान हैं या हैवान!'यहाँ प्यार के चक्कर में एक मां, बेटी और उसके प्रेमी ने मिलकर एक घिनौने अपराध को अंजाम दिया। इन तीनों ने मिलकर पहले अपने पिता को शराब पिलाने के बाद जमकर पीटा फिर उसकी हत्या कर दी।

अवैध संबंध बना हत्या की वजह

दरअसल यह मामला तेलंगाना के घाटकेसर का है। 45 साल के वड्लूरी लिंगम एक अपार्टमेंट में वॉचमैन के रूप में काम करते थे। उनकी पत्नी शारदा जीएचएमसी में स्वीपर थी और उनकी 25 साल की बेटी मनीषा का विवाह हो चुका था लेकिन वह अपने पति से अलग रह रही थी। शादी के बाद मनीषा का जावेद नाम के एक युवक के साथ अवैध संबंध था। लिंगम को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं थी। वह अक्सर बेटी को जावेद से दूरी बनाने को कहते थे।

मां, बेटी और प्रेमी ने मिलकर रची साज़िश

मनीषा अपने प्रेमी जावेद के साथ मॉलाली में किराए के मकान में रह रही थी। इस बात को लेकर मनीषा और लिंगम का अक्सर झगड़ा होता रहता था। दूसरी ओर लिंगम की पत्नी शारदा ने भी मनीषा को बताया कि उसका पति उस पर भी शक करता है और उसे परेशान करता है। यहीं से मां, बेटी और प्रेमी की खौफनाक प्लानिंग शुरू हुई।

हत्या के बाद बेफिक्र होकर फिल्म देखने गए तीनों

5 जुलाई को शारदा ने लिंगम को लड्डू में नींद की गोलियां मिलाकर दीं जिससे वह बेहोश हो गया। इसके बाद 6 जुलाई को जावेद को बुलाया गया। तीनों ने मिलकर पहले लिंगम को शराब पिलाई फिर जमकर पीटा। इसके बाद जावेद ने रस्सी से गला घोंटकर लिंगम की हत्या कर दी। हत्या के बाद तीनों ने शव को चादर में लपेटकर रख दिया और बेफिक्र होकर फिल्म देखने चले गए।

शव को तालाब में फेंका

फिल्म देखने के बाद वापस आकर उन्होंने एक ड्राइवर को यह यकीन दिलाकर कि पीड़ित बहुत ज़्यादा शराब पीने के कारण बेहोश है शव को एक कैब में एडुलाबाद झील ले गए। उन्होंने शव को झील में फेंक दिया लेकिन स्थानीय लोगों ने उन्हें देख लिया और तुरंत घाटकेसर पुलिस को सूचना दी। परिवार वालों के जवाबों पर शक होने पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की जिसके आधार पर मनीषा, जावेद और शारदा को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में मनीषा ने स्वीकार किया कि उसने अपने अवैध संबंध के लिए पिता की हत्या की। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। यह घटना रिश्तों में बढ़ती क्रूरता और नैतिकता के पतन को दर्शाती है।

इंटरनेशनल टेनिस खिलाड़ी की खौफनाक हत्या

●बेटी बनाती थी Reels, समाज के चक्कर में पिता ने बरसाई ताबड़तोड़ 5 गोलियां

स्वतंत्र प्रभात

हरियाणा के गुरुग्राम के सेक्टर-57 इलाके से गुरुवार को एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई। जिसने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। इंटरनेशनल टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की उसके ही पिता दीपक यादव ने गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को सुबह 10:30 बजे के करीब अंजाम दिया गया। राधिका उस वक्त अपने घर की पहली मंज़िल पर स्थित किचन में काम कर रही थी।

आरोपी पिता की पहली तस्वीर आई सामने

अब इस हत्याकांड ने नया मोड़ लिया है। इस सनसनीखेज वारदात के आरोपी पिता दीपक यादव की पहली तस्वीर सामने आई है। जोकि सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। तस्वीर में दीपक पुलिस हिरासत में आंखें झुकाए और चेहरे पर शिकन लिए खड़ा नजर आ रहा है। आरोपी पिता की तस्वीर देख लोगों में काफी गुस्सा है। लोग सोशल मीडिया पर न्याय की मांग कर रहे हैं।

राधिका को मारी गई थीं पांच गोलियां

पुलिस के अनुसार, गुरुवार सुबह दीपक यादव ने अपनी बेटी राधिका को लाइसेंसी रिवॉल्वर से पांच गोलियां मारीं। इनमें से तीन गोलियां राधिका की पीठ में लगीं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या का कारण राधिका द्वारा संचालित टेनिस अकादमी को लेकर पिता-पुत्री के बीच चला आ रहा विवाद बताया जा रहा है। जांच में यह भी सामने आया है कि दीपक यादव को समाज में यह कहा जाना बुरा लगता था कि वह अपनी बेटी की कमाई पर निर्भर हैं। साथ ही दीपक यादव को बेटी का रील बनाना भी पसंद नहीं था। इसी मानसिक तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया।

कई पहलुओं की जांच जारी

घटना के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दीपक यादव को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ गुरुग्राम के सेक्टर 56 थाने में हत्या की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि राधिका की सोशल मीडिया गतिविधियों, निजी संबंधों या अकादमी से जुड़े विवाद में कोई अन्य कारण या व्यक्ति शामिल था या नहीं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी थीं राधिका

राधिका यादव भारत की एक प्रतिभाशाली राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की टेनिस खिलाड़ी थीं। उन्होंने कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और उनमें जीत भी दर्ज की। उनकी इस तरह से हुई दुखद मृत्यु से खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। सोशल मीडिया पर खेलप्रेमी, आमजन और तमाम जाने-माने चेहरे उनकी हत्या को लेकर दुख और गुस्सा व्यक्त कर रहे हैं।

भारत को जनसंख्या का तिलस्म भेदना होगा

अवरोध नही उत्पादक बने जनसंख्या।

भारत एक दशक के बाद सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश होगा और सबसे ज्यादा युवा जनसंख्या वाला भी देश होगा,अब समय आ गया है जब देश की सरकार और समूचे जनसंख्या प्रबंधन की इकाइयों को सक्रिय होकर बढ़ती जनसंख्या और उपलब्ध संसाधनों के बीच सामयिक संतुलन बनाकर बड़ी जनसंख्या को बोझ न मानकर एक शक्ति के रूप में स्थापित कर के इसका सर्वाधिक दोहन राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए निहित करें। निश्चित तौर पर यह हम पर है कि हमारी युवा जनसंख्या का उपयोग हम सही तरीके से विकास की गति के साथ साथ तालमेल बिठाकर इसे राष्ट्र के विकास के श्रोत की तरह विकसित करें द्य भारत की युवा और दिवा शक्ति के माध्यम से साइंस, टेक्नोलॉजी,मेडिकल, सेना, कंप्यूटर साइंस और स्वयं उद्यम के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भारत को अग्रणी देश बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए द्य अब इस विशाल जनसंख्या का सीमित संसाधन पर कितना दबाव होगा, आप ये कल्पना कर सकते हैं। बहुत अधिक जनसंख्या देश में अनेक सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक समस्याओं को जन्म भी देती है। वर्तमान में भारत 141 करोड़ जनसंख्या (अनुमानित) के साथ विश्व में दूसरे नंबर पर है पहले नंबर पर चीन 145(अनुमानित)करोड़ की आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1989 से 11 जुलाई को हर वर्ष जनसंख्या दिवस के रूप में मनाता है पर जनसंख्या नियंत्रण या जनसंख्या नियोजन पर भारत जैसे देश में कोई भी योजना नहीं बनती है। यही जनसंख्या बढ़ चुकी है और भारत में युवा जनसंख्या 55त्न से ज्यादा है तो इसका सकारात्मक उपयोग ही किया जाना युक्ति युक्त होगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से भारत की जनसंख्या बाजार की ताकत है पर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से जनसंख्या विकास के लिए बड़ी बाधक भी है। अधिक जनसंख्या के दबाव में सीमित संसाधन छिन्न-भिन्न हो जाते हैं आम जनता को उनकी मूल जरूरतों की आवश्यक वस्तुएं नहीं मिल पाती और यदि मिलती भी है तो बहुत ऊंची दरों में या बहुत महंगाई के बाद।ऐसे में देश में अनेक समस्याएं पैदा होती है, और सबसे ज्यादा जनसंख्या के दबाव से विकास के लिए संकट खड़ा हो जाता है। विकास धीरे-धीरे मध्यम का अवरुद्ध हो जाता है। देश का आर्थिक नियोजन चरमराने लगता है। वर्ष 1951 से 81 के दशक को भारत की जनसंख्या की विस्फोटक अवधि के रूप में जाना जाता है। यह देश में मृत्यु दर के तीव्र स्खलन और जनसंख्या की उच्च प्रजनन दर के कारण हुआ है। वर्ष 1921 तक की अवधि में भारत की जनसंख्या की वृद्धि स्थिर अवस्था में रही क्योंकि इस अवधि में जनसंख्या वृद्धि की दर काफी निम्न थी। 1981 से लगातार अभी तक जनसंख्या की दर बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा बढ़ती जनसंख्या के मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस स्लोगन 'परिवार नियोजन मानव का अधिकार' रखा गया है, ताकि बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न समस्याओं के प्रति जागरूक होकर लोगों द्वारा परिवार नियोजन पर उत्साहजनक जोर दिया जाए। यह स्लोगन यह संकेत करता है कि सुरक्षित एवं शैक्षिक परिवार नियोजन एक जिम्मेदार नागरिक का अधिकार है और यह सभी लोगों को सशक्त बनाएगा और देश में विकास की गति को तेज करने में सहायक भी होगा। भारत की जनसंख्या बढ़ने का प्रमुख कारण बढ़ती जन्म दर और कम मृत्यु दर भी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण देश मैं बेरोजगारी गरीबी पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं चुनौती बनकर सामने आई जो समाज व्यक्ति और राष्ट्र सभी के विकास को अवरुद्ध करती है। हमारे पास उपलब्ध संसाधन इतनी बड़ी आबादी के लिए कतई पर्याप्त नहीं है। विकास और देश की समृद्धि के लिए जनसंख्या नियंत्रण एक आवश्यक अंग हो सकता है। कई यूरोपीय देशों ने अपनी बढ़ती जनसंख्या एवं संसाधनों में उचित तालमेल हेतु परिवार नियंत्रण प्रणाली को का निर्णय लिया किंतु एक समय बाद वहां कार्यशील जनसंख्या की अपेक्षा वृद्धों की संख्या में वृद्धि हुई जिससे मानव संसाधन की समस्याएं उनके सामने आने लगी हैं। चीन में पहले जनसंख्या नियंत्रण किया गया था। सरकार ने वैधानिक रूप से एक या दो बच्चे पैदा करने की शर्तें लागू की थी, पर वहां बुजुर्गों, वृद्धों की संख्या में भारी वृद्धि होने के पश्चात चीन की सरकार ने ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपनी जनता से अपील की है। जापान एक छोटा सा देश होने के बावजूद अपने सीमित संसाधनों के चलते अपने नवाचार तथा तकनीकी शक्ति के बल पर विकासशील देशों के समकक्ष खड़ा है।

भारत जैसे विशाल देश में जहां बहुत बड़ी जनसंख्या भी है और विकास के लिए आवश्यक संसाधन भी हैं, विकास करने के लिए केवल विशाल जनसंख्या के साथ सामंजस्य बिठाने की आवश्यकता होगी। भारत में जनसंख्या नियंत्रण के साथ-साथ उसके अनुपात में संसाधनों का संतुलन बना कर विकास की नई दिशा दी जा सकती है। संसाधनों की उचित दोहन हेतु सही और सटीक नीति तथा उसके क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी। इसके अलावा नवाचार एवं उचित तकनीक प्रौद्योगिकी को भी अमल में लाना होगा। भारत विश्व का प्रथम देश है जिसने 1952 में परिवार नियोजन कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया इसका परिणाम भी अच्छा हुआ था कि पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या की वृद्धि में संतोषजनक गिरावट आई है। यह तो विदित है कि किसी भी राष्ट्र की संतुलित विकास की धारा तभी संभव है जब वहां के विकास में सहायक संसाधनों का संतुलन बना रहे। किसी एक घटक का संतुलन यदि गड़बड़ होता है तो विकास के लिए गंभीर समस्याएं जन्म लेना शुरू करती हैं। भारत की जनसंख्या इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो दिन दूर नहीं जब संसाधनों की कमी से भारत को जूझना होगा फिर विकास की बात बेमानी हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जनसंख्या दिवस मनाने का उद्देश्य है कि व्यक्ति समाज सरकार और योजना कानों के मन में इस विषय से संबंधित समस्याओं के प्रति चेतना संवेदना जगाना ही है ताकि लोगों में बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी समस्याएं एवं अवरोधों के बारे में जागरूकता ज्यादा से ज्यादा विस्तारित हो। भारत के पास विकास के सभी मापदंड होते हुए भी देश पिछड़ा हुआ है, भारत में तकनीकी का कम विकास, कमजोर शिक्षा, परंपरागत स्रोत, कृषि का निम्न स्तर, आर्थिक असमानता जैसी अनेक समस्याएं हैं जो विकास मैं बाधक बनती रही है। वर्तमान में देश के पास प्राकृतिक एवं मानव संसाधन इतना है कि बढ़ती जनसंख्या की समस्याओं से आसानी से निपटा जा सके पर इस बात की अत्यंत आवश्यकता है कि संसाधनों का उचित दोहन तथा उसका सही उपयोग विकास की दिशा में भ्रष्टाचार से बचाकर किया जाए। यह अत्यंत उल्लेखनीय है कि जनसंख्या की समस्या से निपटने तथा विकास की दर को बढ़ाने की जिम्मेदारी केवल शासन प्रशासन की ही नहीं है इसके लिए आम नागरिक भी जिम्मेदार है क्योंकि समस्याएं खड़ी करने में आमजन का एक बड़ा वर्ग भी है, इसीलिए हम सबको जनसंख्या नियंत्रण और विकास की धारा को सही दिशा प्रदान करने के लिए सक्रिय सहयोग देना होगा तब ही देश एक सशक्त राष्ट्र बन पाएगा।

संजीव ठाकुर

बिहार में महिला आरक्षण

बिहार में आगामी नवम्बर-दिसम्बर महीने में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं जिसे देखते हुए सत्ता और विपक्ष के दल अपनी-अपनी राजनैतिक चौसर बिछाने लगे हैं। ताजा फैसले में राज्य की भाजपा-जद(यू) नीतीश सरकार ने सरकारी नौकरियों में महिलाओं के 35 प्रतिशत आरक्षण को राज्य की स्थायी निवासी महिलाओं के लिए आवश्यक करार दिया है। इससे पहले अन्य राज्यों की महिलाओं के लिए भी नौकरियों के द्वार खुले हुए थे। मुख्यमन्त्री नीतीश कुमार महिला वर्ग में लोकप्रिय समझे जाते हैं। इसकी कई वजहें समझी जाती हैं। पहली तो यह कि उन्होंने राज्य में पूर्ण शराबबन्दी करके घरेलू महिलाओं को राहत देने की कोशिश की थी। मुख्यमन्त्री का यह फैसला राज्य की महिलाओं ने बहुत सराहा था। इससे उनका पारिवारिक जीवन सुगम होने की संभावनाएं बढ़ी थीं। शराबबन्दी से गरीब तबके की महिलाओं में खुशी की लहर थी मगर दूसरा पहलू यह भी है कि इससे राज्य में अवैध तरीके से शराब तस्करी भी बढ़ी और राज्य में जहरीली शराब पीकर मरने वालों की संख्या में भी इजाफा हुआ। नीतीश सरकार ने इस समस्या का हल पुलिस प्रशासन की मार्फत ढूंढने की कोशिश की जिसमें उसे आंशिक सफलता ही मिल पाई। यह भी सच है कि अवैध शराब की राज्य में तस्करी अब भी हो रही है और प्रशासन इसे पूरी तरह बन्द करने में सफल नहीं हो सका है। किसी भी समाज में ऐसी बुराई को जड़ से समाप्त करना बहुत मुश्किल काम माना जाता है। फिर भी राज्य की महिलाओं ने मुख्यमन्त्री की शराबबन्दी की घोषणा का खुले दिल से स्वागत किया था। जहां तक महिलाओं के सरकारी नौकरियों में आरक्षण का सवाल है तो मुख्यमन्त्री ने यह फैसला 2016 में किया था। उस समय नीतीश बाबू जद(यू)-कांग्रेस व लालू जी की पार्टी राजद के महागठबन्धन की सरकार के मुखिया थे। इससे पहले 2015 को हुए राज्य विधानसभा चुनावों में इस गठबंधन को भाजपा के मुकाबले भारी सफलता मिली थी। इन चुनावों में राज्य की महिलाओं ने नीतीश बाबू का साथ दिया था। तभी से महिला वोट बैंक नीतीश बाबू का समझा जाता है। पिछले 20 साल से 2005 के बाद से नीतीश बाबू ही राज्य के मुख्यमन्त्री चले आ रहे हैं हालांकि राज्य में सत्तारूढ़ सरकार के गठबन्धन अदलते-बदलते रहते हैं। नीतीश बाबू कभी भाजपा के साथ मिलकर सत्ता में रहते हैं तो कभी कांग्रेस व लालू जी की पार्टी के साथ। अतः पिछले 20 सालों में बिहार सरकार ने जो भी फैसले जनहित में किये हैं उन सभी का श्रेय नीतीश बाबू को दिया जा सकता है। 2022 में उन्होंने बिहार में जातिगत सर्वेक्षण कराया था। उस समय नीतीश बाबू लालू जी की पार्टी के सहयोग से मुख्यमन्त्री बने हुए थे। इस सर्वेक्षण का श्रेय हालांकि लालू जी की पार्टी ने लेने का प्रयास किया मगर नीतीश बाबू ने स्पष्ट कर

दिया कि इस फैसले में उनकी भागीदारी को नजरअन्दाज नहीं किया जा सकता है क्योंकि उनके पास राज्य के अति पिछड़े वर्ग का व्यापक समर्थन है। इस जातिगत सर्वेक्षण में साफ हुआ था कि बिहार में 36 प्रतिशत लोग अति पिछड़े वर्ग के हैं। जातिगत सर्वेक्षण के बाद नीतीश सरकार ने गरीब वर्ग के लोगों की मदद के लिए कुछ जरूरी कदम भी उठाये और अति गरीब परिवारों को दो लाख रुपये की मदद देने का फैसला भी किया। इस प्रकार नीतीश बाबू इस वर्ग की सहानुभूति बटोरने में पुनः सफल रहे। जहां तक विपक्ष का सवाल है तो वह चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण कराये जाने के खिलाफ व्यापक अभियान चलाये हुए हैं और इस सन्दर्भ में उसने बुधवार को बिहार बन्द का आयोजन भी किया गया। इस बन्द के सफल होने की खबरें भी आ रही हैं जिससे इस चुनावी राज्य में जनता बनाम चुनाव आयोग की स्थिति पैदा होती जा रही है लेकिन नीतीश बाबू इस विवाद से तटस्थ बने हुए हैं और वह मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया पर अपनी जुबान नहीं खोल रहे हैं। इससे पता चलता है कि मुख्यमन्त्री इस घटना के राजनीतिक हानि-लाभ के समीकरणों को तोल रहे हैं और सही समय पर अपनी बात कहने के इन्तजार में हैं लेकिन इस विवाद से लोगों खासकर महिलाओं का ध्यान हटाने के लिए उन्होंने सरकारी नौकरियों में स्थायी निवास वाली महिलाओं का मुद्दा गरमा दिया है। जाहिर तौर पर इससे नीतीश बाबू का महिला वोट बैंक सशक्त होगा। अभी तक यह व्यवस्था थी कि 35 प्रतिशत महिला आरक्षण में किसी भी राज्य की महिलाएं बिहार में नौकरी पा सकती थीं। खासकर शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापक की नौकरियों में बिहार से बाहर की महिलाओं को भी अच्छी-खासी संख्या में नैकरियां मिली थीं। अब ये सब नौकरियां केवल बिहार की स्थायी निवासी महिलाओं के लिए आरक्षित हो जायेंगी। इससे राज्य की राजनीति में जिस प्रकार जातिवाद का बोलबाला है वह भी कम होगा क्योंकि आरक्षण में हर जाति की महिला पात्र मानी जायेगी। इससे भाजपा को चुनावी मैदान में उतरने में मदद मिलेगी क्योंकि यह पार्टी मूल रूप से अगड़े समाज की पार्टी समझी जाती है। जद(यू) के साथ मिलकर ही भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव लड़े थे जिसमें उसे शानदार सफलता मिली थी। अतः विधानसभा चुनावों की चौसर में सत्ता व विपक्ष अपनी-अपनी गोटियां बहुत सावधानी के साथ बिछाते नजर आ रहे हैं।

सिखों के दो तख्तों में टकराव के लिए जिम्मेवार कौन?

इतिहास में पहली बार सिखों के दो तख्तों में टकराव देखने को मिल रहा है जिसे समाप्त करना अति आवश्यक है अन्यथा आने वाले दिनों में इसके गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। युवा वर्ग इस सबके चलते ही आज सिखी से दूर होता चला जा रहा है मगर अफसोस कि इस ओर कोई ध्यान देने को तैयार नहीं। सिख समाज में जत्थेदारों का विशेष तौर पर दायित्व बनता है कि वह कौम के भीतर आए विवाद को समाप्त करके सभी सिखों को एकजुट होकर एक निशान साहिब के भीतर लाएं मगर आज तो जत्थेदार स्वयं विवाद के घेरे में आ चुके हैं अब इनमें एकजुटता कैसे और कौन लेकर आएगा यह अपने आप में प्रश्न बन गया है। असल में विवाद तब खड़ा हुआ जब श्री अकाल तख्त साहिब से ज्ञानी कुलदीप सिंह गढ़गज के द्वारा तख्त पटना साहिब से तनखैया और पंथ से निष्कासित पूर्व जत्थेदार रणजीत सिंह गौहर को माफ करते हुए उन्हें पहले की भान्ति सेवाएं निभाने हेतु आदेश जारी कर दिया इतना ही इसके साथ ही तख्त पटना साहिब के मौजूदा जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी बलदेव सिंह और ज्ञानी गुरदयाल की सेवाओं पर रोक लगा दी गई। इस पर तख्त पटना साहिब के जत्थेदार सहित पांच प्यारे साहिबान के द्वारा ज्ञानी कुलदीप सिंह गढ़गज और ज्ञानी टेक सिंह को तनखैया करार देते हुए इस पूरे मामले में साजिशकर्ता के रूप में मानते हुए सुखबीर सिंह बादल को पेश होकर अपना पक्ष रखने के लिए 10 दिन का समय दिया गया। हालांकि चाहिए तो यह था कि सुखबीर सिंह बादल पेश होकर अपना पक्ष रखते और वह शायद चाहते भी थे मगर उनके कुछ सलाहकार ऐसे हैं जिन्होंने उन्हें ऐसा करने से रोका जिसके बाद विवाद बढ़ता चला गया। 40 दिनों बाद भी जब सुखबीर बादल पेश नहीं हुए तो तख्त पटना साहिब से उन्हें तनखैया कर दिया गया। जिसके बाद मानो पंजाब की राजनीति में भूचाल सा आ गया। सुखबीर के खिलाफ आदेश आते ही ज्ञानी कुलदीप सिंह गढ़गज तुरन्त हरकत में आए और अपने आका को बचाने के लिए उन्होंने तख्त पटना साहिब के दो सदस्यों हरपाल सिंह जौहल और डा. गुरमीत सिंह सहित ज्ञानी गुरदयाल सिंह को भी तनखैया कर दिया। इस पर संसार भर से सिख बुद्धिजीवियों द्वारा चिन्तन किया जा रहा है और उनका मानना है कि सभी तख्त अपने आप में सम्मान्नित हैं इसलिए सभी जत्थेदारों को चाहिए कि बड़े छोटे की बात ना करते हुए बिना वजह पंथ में उपजे मसले का समाधान निकालें। जो लोग स्वयं श्री अकाल तख्त साहिब के आदेशों को दरकिनार करते हुए अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने में लगे हैं आज वही अकाल तख्त की महानता की दुहाई दे रहे हैं इसलिए जत्थेदार साहिबान को चाहिए अपना नैतिक फर्ज समझते हुए राजनीतिक लोगों की ग्रिफत से बाहर आकर कौम हित में एकजुटता लाने की ओर अग्रसर हो और जल्द से जल्द इसका स्थाई हल निकाला जाए किसी एक व्यक्ति विशेष के लिए पूरी कौम को दाव पर लगाना किसी भी सूरत में सही नहीं है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्रों को पढ़ाया जाएगा सिख इतिहास ~ इतिहास गवाह है कि सिख गुरु साहिबान से लेकर बाबा बंदा सिंह बहादुर जैसे अनेक सिख योद्धा हुए जिनका इतिहास अगर बच्चे पढ़ लें तो वह सिखों के प्रति हीन भावना रख ही नहीं सकते। इतना ही नहीं अगर देशवासियों ने इतिहास पढ़ा होता तो 1984 में सिखों का कत्लेआम भी नहीं होना था और सिखों को खालिस्तानी या आतंकी कहकर भी नहीं पुकारा जाता। दिल्ली यूनिवर्सिटी की पहल पर अब छात्र मुगल राज्य और समाज पर विशेष रूप से तथा सामान्य रूप से भारतीय इतिहास पर उभरते इतिहास लेखन में विद्यमान अंतराल को समझ सकेंगे। कोर्स में यूनिट एक के तहत विद्यार्थियों को सिख धर्म का विकास, मुगल राज्य और समाज, पंजाब सिख धर्म में शहादत और शहादत की अवधारणा, सिख गुरुओं के अधीन सिख, गुरु नानक देव जी से गुरु रामदास जी तक सिख धर्म का ऐतिहासिक संदर्भ पढ़ाया जाएगा। यूनिट दो में शहादत की गाथा के तहत आधिपत्य मुगल राज्य और दमन, गुरु अर्जन देव जी, जीवन और शहादत, राज्य की नीतियों पर प्रतिक्रियाएं, गुरु हरगोबिंद जी से गुरु हरकृष्ण जी तक, गुरु तेग बहादुर जी के जीवन और शहादत, भाई मति दास, भाई सती दास, भाई दयाला के संदर्भ पढ़ाए जाएंगे। दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा इतिहास में सिख शहादतों और बहादुरी पर अंडरग्रेजुएट कोर्स शुरू करने को सिख समाज के लोग मोदी सरकार का सराहनीय कदम बताते हुए खास तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार प्रकट करते दिख रहे हैं। दिल्ली सरकार में मत्री मनजिन्दर सिंह सिरसा मानते हैं कि इससे ही सरकारों की सोच का पता चलता है एक ओर आजादी के बाद से कांग्रेस की सरकार ने देशवासियों पर जुल्म करने वाले अत्याचारियों का इतिहास स्कूलों कालेजों में बच्चों को पढ़ाया मगर अत्याचार की उस आग को ठण्डा कर देश और धर्म की रक्षा वाले गुरु साहिबान और सिख योद्धाओं के इतिहास से वंचित रखा। तख्त पटना साहिब कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलो सहित अन्य सिख नेता भी सरकार के इस कदम की प्रशंसा करते दिख रहे हैं।

संपादकीय

क्या लोकसभा रिजल्ट दोहरा पायेगी सपा

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। आइए जानते हैं कि विभिन्न पार्टियों की रणनीति और संभावित परिणाम क्या हो सकते हैं। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में मिली सफलता से उत्साहित हैं और इस सफलता के द्वारा वो 27 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए दम भर रहे हैं। लेकिन क्या लोकसभा वाली सफलता सपा विधानसभा में दोहरा पायेगी इस पर अभी प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है। लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव में सपा को पराजय का सामना करना पड़ा था। लोकसभा चुनाव में जिस अयोध्या की सीट पर मिली जीत पर अखिलेश यादव इतरा रहे थे उसी की विधानसभा सीट मिल्कीपुर उप चुनाव में वो हार चुके हैं। अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव में जो सफलता प्राप्त की थी उसमें दलितों का एक बड़ा वर्ग उनके साथ गया था और इसीलिए अखिलेश यादव ने आगे की राजनीति के लिए पीडीए का नारा दिया है, पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यक। इसी संयोजन से अखिलेश 27 का रण जीतने की तैयारी कर रहे हैं। जगह जगह पीडीए सम्मेलन किये जा रहे हैं, पीडीए को जोड़ा जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बहुजन समाज पार्टी की नींव अब उत्तर प्रदेश में खिसक चुकी है। यदि वर्तमान स्थिति को देखें तो लोकसभा में उसका एक भी सांसद नहीं है जब कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में मात्र उनका एक सदस्य है। लोकसभा चुनाव में मायावती की पार्टी के कमजोर होने का लाभ समाजवादी पार्टी को मिला था। अखिलेश यादव पूरी कोशिश कर रहे हैं कि लोकसभा की तरह विधानसभा चुनाव में भी दलित उनका उतना ही साथ दे तो वो बहुमत के करीब पहुंच सकते हैं। लेकिन इसमें कितनी सच्चाई है वह विधानसभा उपचुनाव में देखने को मिली है। विधानसभा उपचुनाव 9 सीटों पर हुए थे जिसमें भाजपा गठबंधन को 7 सीटों पर जब कि समाजवादी पार्टी को मात्र 2 सीटों पर विजय मिली थी। यही नहीं सपा अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट भी हार गई थी। अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे मिल्कीपुर से उप चुनाव लड़े थे। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सपा पीडीए को लेकर तैयारियां कर रही है तो भाजपा जनता पार्टी की रणनीति भी इसी दिशा में चल रही है। भाजपा ने हारी हुई सीटों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए नई रणनीति तैयार की है। पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव में हारी सभी सीटों को श्रेणियों में बांटा है, ताकि कमजोर क्षेत्रों को मजबूत किया जा सके। पार्टी की नजर ओबीसी वर्ग और अनुसूचित जाति यानी एससी वोटबैंक पर है, जहां पार्टी को 2017 से कुछ नुकसान हुआ है। भाजपा गैर-प्रमुख एससी समुदायों पर विशेष ध्यान दे रही है और राजभर समुदाय के वोट बैंक को साधने की रणनीति भी बना रही है। भाजपा ने अपनी रणनीति को और प्रभावी बनाने के लिए व्यापक सर्वेक्षण शुरू किए हैं, जिसमें मतदाता व्यवहार, स्थानीय मुद्दे और विपक्ष की रणनीति का अध्ययन शामिल है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने दलित-पिछड़ा गठजोड़ को मजबूत करने और इस एकता को राजनीतिक शक्ति में बदलने का आह्वान किया है। यदि बसपा इस अभियान में सफल होती है, तो वह 2027 के विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के गठबंधन ने 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में 43 सीटें जीती थीं, जिसने भाजपा को केवल 33 सीटों पर सीमित कर दिया था। भाजपा अब विपक्ष के इस गठबंधन को कमजोर करने की रणनीति पर काम कर रही है। 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियों ने अपनी तैयारियां अभी से ही शुरू कर दीं हैं। हालांकि मुख्य मुकाबला भाजपा गठबंधन और सपा गठबंधन के ही बीच में है। लेकिन बहुजन समाज पार्टी इस चुनाव में अपनी अच्छी उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है। पिछले चुनाव में बसपा का कोर वोट भी बसपा से खिसका है। लेकिन उसके लिए पूर्व मुख्यमंत्री मायावती स्वयं जिम्मेदार हैं। क्योंकि पिछले दो-तीन चुनाव से वह स्वयं अपनी पार्टी को सम्हाल सकने में कामयाब नहीं हो सकीं हैं। बसपा के ज्यादातर बड़े नेता या तो पार्टी छोड़ कर जा चुके हैं या उनको अनुशासन हीनता के कारण पार्टी से निकाला जा चुका है। बसपा के कमजोर होने का लाभ पिछले लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को मिला है। पिछले लोकसभा चुनाव में बड़ी संख्या में दलित वर्ग ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को वोट किया है और यही कारण है कि सपा कांग्रेस गठबंधन को लोकसभा चुनाव में बेहतर परिणाम हासिल हुआ था।

जितेन्द्र सिंह पत्रकार

सेना से सेवानिवृत्त जवान और शून्य आरक्षण की पीड़ा, बिहार-झारखंड में राज्य व्यवस्था की विफलता का आईना

देश की सरहदों पर तैनात सैनिक जब सर्दी, गर्मी, वर्षा और गोलीबारी की परवाह किए बिना अपने प्राणों की बाज़ी लगाते हैं, तो यह केवल उनकी नौकरी नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति उनका जीवन-समर्पण होता है। यह त्याग केवल एक सैनिक का नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार का होता है, जो वर्षों तक उसके बिना जीवन जीता है, बच्चों का लालन-पालन करता है और हर वक्त यह प्रार्थना करता है कि वह सकुशल लौट आए। लेकिन सबसे बड़ा दुःख तब होता है, जब वही सैनिक अपनी सेवा पूरी कर राज्य में लौटता है और पाता है कि उसके लिए न कोई नौकरी है, न कोई पुनर्वास योजना, न कोई सरकारी संवेदना। बिहार और झारखंड जैसे राज्य इस पीड़ा की सबसे बड़ी मिसाल बनकर सामने आते हैं। भारतीय सेना में इन राज्यों के हजारों युवक हर वर्ष भर्ती होते हैं, लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद जब वे अपने गृह राज्य लौटते हैं, तो राज्य सरकारें उन्हें बेरोज़गारी और उपेक्षा की खाई में धकेल देती हैं। उपलब्ध आँकड़े बताते हैं कि बिहार और झारखंड दोनों ही राज्यों में राज्य सरकार की नौकरियों के किसी भी समूह कक्षा क, कक्षा ख, कक्षा ग, और कक्षा घ में पूर्व सैनिकों के लिए एक प्रतिशत भी आरक्षण निर्धारित नहीं किया गया है। यह आंकड़ा कोई साधारण संख्या नहीं, बल्कि एक गहरी संवेदनहीनता का प्रतीक है। यह उस समाज की चुप्पी है, जो युद्ध के समय तो 'जय जवान' के नारे लगाता है, पर शांति के दिनों में उन्हीं जवानों को चौकीदार, मजदूर या ठेला चालक बनने पर मजबूर देखता है और चुप रहता है। झारखंड और बिहार की गलियों में आज भी अनेक सेवानिवृत्त सैनिक मिलते हैं, जो किसी ठेकेदार के अधीन दिहाड़ी पर काम कर रहे हैं, या फिर छोटी मोटी दुकान चलाकर गुजारा कर रहे हैं। क्या यह उस राष्ट्र के लिए शोभनीय है, जो अपने सैनिकों को सम्मान का प्रतीक मानता है? देश के कई अन्य राज्यों में, विशेषकर पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, और कर्नाटक जैसे राज्यों में, राज्य सेवाओं में पूर्व सैनिकों के लिए 10 प्रतिशत से लेकर 15 प्रतिशत तक आरक्षण की व्यवस्था है। ये राज्य न केवल सैनिकों की सेवा भावना को सम्मान देते हैं, बल्कि उन्हें नागरिक जीवन में भी गरिमा से जीने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे में बिहार और झारखंड की यह उदासीनता एक प्रकार की सामाजिक नाइंसाफी है, जो लगातार बढ़ रही है। सैनिकों के साथ यह व्यवहार केवल एक वर्ग के साथ अन्याय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मा के साथ धोखा है। जब एक जवान अपना पूरा युवा जीवन सेना को देता है, तो वह केवल पेंशन या मेडल की आशा नहीं करता। वह राज्य से यह अपेक्षा करता है कि जब वह लौटेगा, तो उसे समाज में एक सम्मानजनक स्थान मिलेगा। लेकिन विडंबना यह है कि झारखंड और बिहार जैसे राज्य उसके स्वागत में बेरोजगारी, असुरक्षा और ठोकरें प्रस्तुत करते हैं। इस उपेक्षा की जड़ केवल नीति की कमी नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है। न तो झारखंड सरकार ने पूर्व सैनिकों के लिए कोई पृथक पुनर्वास आयोग गठित किया है, न ही बिहार में कोई ऐसी कार्ययोजना अस्तित्व में है जो इन वीरों के भविष्य को सुरक्षित कर सके। दोनों ही राज्यों की सरकारें सेना भर्ती को तो बढ़ावा देती हैं, भर्ती रैलियों का आयोजन भी करती हैं, परंतु जब वही जवान वापस लौटते हैं तो उन्हें अनुपयोगी नागरिक की तरह देखा जाता है। यह भी समझने योग्य है कि सेना में कार्य करने के दौरान सैनिक अनेक प्रकार की तकनीकी, प्रबंधन, नेतृत्व, और आपदा प्रबंधन संबंधी दक्षताओं को सीखते हैं। ये सभी योग्यताएँ नागरिक प्रशासन, पुलिस सेवा, ग्रामीण विकास, आपदा राहत, परिवहन, सुरक्षा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं। लेकिन यदि राज्य सरकारें इन कौशलों का उपयोग ही नहीं करेंगी, तो यह राष्ट्रीय संसाधनों की भी भारी बर्बादी है।झारखंड जैसे राज्य में जहाँ आदिवासी समाज से बड़ी संख्या में युवा सेना में भर्ती होते हैं, वहाँ की सरकार का यह कर्तव्य बनता है कि वे अपने इन बच्चों को सेवानिवृत्ति के बाद ऐसा मंच दें, जिससे वे समाज की मुख्यधारा में पुनः सक्रिय भूमिका निभा सकें। यह केवल रोजगार का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, गरिमा और राज्य के प्रति प्रतिबद्धता का भी प्रश्न है। अब आवश्यकता इस बात की है कि बिहार और झारखंड की सरकारें नींद से जागें। उन्हें चाहिए कि वे सेना से सेवानिवृत्त जवानों के लिए कम से कम 10 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करें, उनके लिए कौशल विकास और पुनः नियोजन कार्यक्रम चलाएँ, उनके लिए अलग से राज्य स्तरीय पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड की स्थापना करें, और उन्हें पुलिस, सुरक्षा, होम गार्ड, ग्राम रक्षा दल, वन सुरक्षा, और आपदा प्रबंधन जैसे विभागों में तत्काल नियुक्ति दें। इसके अतिरिक्त, इन राज्यों में सैनिक सम्मान निधि की स्थापना की जाए, जिससे आर्थिक रूप से पिछड़े पूर्व सैनिकों को आपातकालीन सहायता मिल सके। उनके बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वरोज़गार के लिए विशेष अनुदान योजनाएँ चलाई जानी चाहिए। यह संपादकीय आलेख केवल आंकड़ों का हवाला नहीं, बल्कि एक पुकार है उन लाखों सैनिकों के लिए जो अब भी अपनी मिट्टी से प्यार करते हैं, जो अब भी राष्ट्र पहले के मूलमंत्र पर जीते हैं, और जो अब भी अपने राज्यों से सम्मान की एक छोटी सी उम्मीद लगाए बैठे हैं। यदि राज्य सरकारें इस पुकार को नहीं सुनतीं, तो यह चुप्पी केवल वर्तमान पीढ़ी के साथ नहीं, आने वाली पीढ़ियों के साथ भी अन्याय होगी। सैनिकों को सम्मान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि नीति, योजना और क्रियान्वयन से देना होगा। अब समय आ गया है कि बिहार और झारखंड की सरकारें इन वीरों की पीड़ा को समझें और 'शून्य प्रतिशत' की इस असंवेदनशीलता को इतिहास में बदल दें।

अमित कुमार

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

ज़हरीला पदार्थ खाने से किशोरी की हालत नाजुक, जिला अस्पताल रेफर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरे कलिका बक्स गांव में एक 14 वर्षीय किशोरी ने बृहस्पतिवार को संदिग्ध रूप से कोई विषाक्त पदार्थ खा लिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन घबरा गए और आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। स्वास्थ्य केंद्र पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टरों ने बताया कि किशोरी को समय रहते अस्पताल लाया गया, जिससे उसकी जान बचाने की कोशिश की जा रही है। परिवारीजनों ने डॉक्टरों को बताया कि किशोरी ने अनजाने में कोई जहरीला पदार्थ खा लिया था। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह घटना दुर्घटनावश हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। गांव में घटना को लेकर चिंता का माहौल है। लोग दबी जुबान में तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। परिजन बेटी के लिए दुआ कर रहे हैं।

महिला से संबंध बनाने का आरोप, जेवर भी हड़पे

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने गाँव के ही युवक पर शादी का झांसा देकर सात साल तक अवैध संबंध बनाने, विश्वासघात करने और जेवर हड़पने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने कोतवाली पहुंचकर युवक के खिलाफ तहरीर दी और न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का कहना है कि वह पहले से विवाहित थी। लेकिन युवक ने प्रेमजाल में फंसा कर उसे अपने साथ अलग अलग जगहों पर घुमाया और शादी का वादा कर संबंध बनाए। महिला के मुताबिक आरोपी लगातार शादी का भरोसा दिलाता रहा और इस दौरान उसने महिला से उसके कीमती जेवर भी ले लिए, जिन्हें बाद में बेच डाला। महिला ने बताया कि युवक की वजह से उसका वैवाहिक जीवन टूट गया और पति ने उसे घर से निकाल दिया। अब युवक न तो शादी करने को तैयार है और न ही साथ रखने को, उल्टा उसे धमका रहा है और जान से मारने की धमकी दे रहा है। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि अभी तक मामला उनके संज्ञान में नहीं आया है। तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

राजेंद्र प्रताप सिंह के ब्लॉक अध्यक्ष बनने कांग्रेसियों में खुशी

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के बेहटा कला गांव निवासी युवा कांग्रेसी कार्यकर्ता राजेंद्र प्रताप सिंह को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उनके मनोनयन पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों ने खुशी व्यक्त की है। इसके अलावा पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कामता प्रसाद गौड़ और सतीश पासवान को जिला सचिव बनाया गया। अपने मनोनयन पर पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष पंकज तिवारी सहित प्रदेश के नेताओं का आभार व्यक्त किया। नए पदाधिकारी के मनोनयन पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता महेश प्रसाद शर्मा, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी सुधा द्विवेदी, राकेश भदौरिया, कांग्रेस सोशल मीडिया प्रदेश सचिव कमल सिंह चौहान राजू नेता राजकुमार द्विवेदी, आकर्षण द्विवेदी सहित तमाम कांग्रेसियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाकर करें प्रकृति का वंदन- राजेश शुक्ला

एक पेड़ अपनी मां के नाम अभियान के तहत खैराबाद के ग्राम पंचायत रहीमाबाद में सराय नदी के किनारे वृक्षारोपण महा अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा इस कार्यक्रम के तहत पर्यावरण के संरक्षण का विशेष कार्य किया जा रहा है उन्होंने कहा जन-जन से अपील है इस कार्य को अपना धार्मिक कर्तव्य समझकर सभी लोग सफल बनाएं। और अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाकर प्रकृति रूपी मां का वंदन करें। जिला अध्यक्ष ने बताया कि आने वाले समय में इस अभियान के परिणाम के तहत वृक्षारोपण से जहां वायु प्रदूषण में कमी आएगी साथ ही साथ ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्या से भी निजात मिलेगा इस अवसर पर कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही ने सभी से वृक्षारोपण कर पर्यावरण के संरक्षण करने की अपील की।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम राहत अली पुत्र रहमुल्ला निवासी मो. सन्तनगर पूर्वी क़स्बा व थाना सिधौली जिला सीतापुर मेरा नाम मो. आरिफ पुत्र रहामुल्ला हो गया है जो की गलत है मुझे राहत अली पुत्र रहमुल्ला के नाम से जाना व पहचाना जायें।

धोखाधड़ी कर करोड़ों की जमीन बेचने वाला गैंग का सदस्य गिरफ्तार

● .....फर्जी रजिस्ट्री कर सेना के जवानों को बनाया था शिकार।

.....मोहनलालगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई, इनोवा क्रिस्टा सफारी स्विफ्ट बोलोरो भी बरामद।

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा के दिशा-निर्देशन एवं प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक लंबे समय से फरार चल रहे जमीन धोखाधड़ी गैंग के सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार अभियुक्त मदनराम पुत्र विश्वनाथ निवासी राजा गांव, खरौनी, थाना बांसडीह जनपद बलिया बताया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से धोखाधड़ी की कमाई से खरीदी गई इनोवा क्रिस्टा कार, स्विफ्ट बोलोरो सफारी कार बरामद की है। पीड़ित नीलाम्बर झा ने मोहनलालगंज थाने में बीते 17 अप्रैल को मुकदमा दर्ज कराया था।उन्होंने बताया कि 2019 में उन्होंने अपनी पत्नी के नाम पर मोहनलालगंज स्थित प्लाटिंग में 1500 वर्गफुट की भूमि एच.के. इंफ्राविजन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के माध्यम से प्रमोद कुमार उपाध्याय और विनोद कुमार उपाध्याय से खरीदी थी। लेकिन वर्षों बीत जाने के बावजूद उन्हें जमीन का कब्जा नहीं दिया गया।पीड़ित शिकायतकर्ता उस समय सेना में कार्यरत थे और ड्यूटी के चलते लखनऊ कम ही आना-जाना हो पाता था। इसी का फायदा उठाकर उनके साथ धोखाधड़ी की गई।इस तरह की धोखाधड़ी के कुल 19 मुकदमे मोहनलालगंज थाने में दर्ज हुए थे। पूर्व में इस मामले में गैंग के सरगना प्रमोद उपाध्याय को बीते 15 जून को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

मोहनलालगंज पुलिस की विवेचना में सामने आया कि मदनराम भी उक्त रियल एस्टेट कंपनी का एडिशनल डायरेक्टर था और उसने प्रमोद व विनोद उपाध्याय के साथ मिलकर 6 अलग-अलग मामलों में पीड़ितों से धोखाधड़ी की थी। पुलिस को लंबे समय से उसकी तलाश थी, जिसे आखिरकार बीते बुधवार को बलिया जनपद के राजा गांव खरौनी से गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार किए गए आरोपी ने स्वीकार किया कि वह सेना व अर्द्धसैनिक बलों के कर्मियों को विशेष रूप से निशाना बनाता था। उन्हें आकर्षक और सस्ते दामों में प्लॉट देने का झांसा देकर रजिस्ट्री करवाई जाती थी। लेकिन जिन जमीनों की रजिस्ट्री की जाती थी, वे या तो अस्तित्व में ही नहीं होती थीं या विवादित होती थीं। बाद में जब पीड़ित कब्जे की मांग करते थे तो आरोपी समय पर पैसा लौटाने का झांसा देकर उन्हें टालता रहता था।मोहनलालगंज पुलिस की यह कार्रवाई रियल एस्टेट की आड़ में चल रहे बड़े धोखाधड़ी गिरोह की कमर तोड़ने में मील का पत्थर मानी जा रही है। एसीपी रजनीश वर्मा ने पुलिस टीम की प्रशंसा करते हुए आगे भी ऐसे अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

आरेडिका व न्यू स्टैण्डर्ड स्कूल में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित वृक्षारोपण कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) व न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। आरेडिका में महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में अधिकारियों, कर्मचारियों व महिलाओं ने विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण किया। प्रधान वित्त सलाहकार बीएल मीना ने स्पोर्ट्स ग्राउंड में पौधरोपण किया, जबकि आरपीएफ ने बैरक क्षेत्र में और अभियांत्रिकी विभाग ने तालाबों व सड़कों के किनारे पौधे लगाए। महिला कल्याण संगठन की सदस्यों ने ऑफिसर्स कॉलोनी में भागीदारी की। प्रधान मुख्य अभियंता सत्य प्रकाश यादव ने बताया कि जुलाई माह में कुल 25 हजार पौधे और 2.75 लाख बीज रोपित किए जाएंगे। उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों को स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित किया जाएगा।

इसी क्रम में न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण हुआ। पद्मश्री सुधा सिंह, डॉ.महादेव सिंह, रेंज ऑफिसर नीरज जोशी सहित अतिथियों ने पौधे लगाए। छात्रों ने स्लोगन व पोस्टर के माध्यम से जागरूकता फैलाई।

श्री अन् मिनीकिट वितरण का आयोजन

● किसान मोटे अनाजों की खेती पर दे रहे जोर- विजय निगम

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर 10 जुलाई बक्शी का कार्य स्थिति राजकीय कृषि बीज गोदाम में निशुल्क बीज मिनीकिट वितरण का आयोजन किया गया। बक्शी का तालाब के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रामेंद्र सिंह 'मोनू' एवं खंड विकास अधिकारी पूजा पांडे की उपस्थिति में हुआ प्रमुख रूप से दलहन, तिलहन एवं श्री अन्न की मिनी किट जैसे- उर्दू मूंग, तिल, ज्वार, बाजरा, कोदो, रागी इत्यादि का वितरण किया गया। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रामेंद्र सिंह ने श्री अन्न के महत्व के पर चर्चा की। खंड विकास अधिकारी श्रीमती पूजा पांडे ने मोटे अनाज के मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों को समझाया,तथा इसकी खेती के लिए कृषकों को प्रेरित किया। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी कृषि विजय प्रकाश निगम ने विभागीय योजनाओं एवं पीएम किसान के विषय में कृषकों को विधिवत समझाया। उक्त कार्यक्रम में 40 से अधिक कृषकों को ब्लॉक प्रमुख द्वारा मिनी किट का वितरण किया गया। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के कृषि विशेषज्ञ डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि लगातार कृषि विभाग के प्रयास से राजधानी में मोटे अनाजों का रकबा बढ़ रहा है। इस कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी सांख्यिकी विजय कुमार गौतम, कृषि विभाग के कार्मिक अखिलेश कुमार, पवन कुमार सिंह, दीपक कुमार यादव, कोमल यादव, मोहनी सैनी, रिचा सिंह, अविनाश कुमार सिंह, दीनदयाल यादव एवं सपना यादव शाहिद सभी कर्मचारी उपस्थित रहे किसानों को खरीफ सीजन की खेती के सार- संग्रह भी वितरित किए गए।

न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सलेथू में मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सलेथू में गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया गया। इस पावन अवसर पर छात्रों ने शिक्षक-शिक्षिकाओं को तिलक लगाकर आशीर्वाद लिया। प्रधानाचार्य राजीव सिंह द्वारा प्रार्थना सभा में महर्षि वेदव्यास के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया गया। छात्र- छात्राओं द्वारा शिक्षकों के सम्मान में विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

छात्र-छात्राओं ने गुरु के महत्त्व पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु हमारे जीवन के अंधकार को दूर करके हमें सफलता की राह दिखाते है,वे हमारे चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस गुरु पूर्णिमा पर हम अपने शिक्षकों का धन्यवाद व आभार व्यक्त करते हैं और उनके द्वारा दिए गए ज्ञान को अपनाने का संकल्प लेते हैं। इस पावन अवसर पर प्रधानाचार्य राजीव सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन छात्रों के लिए शिक्षकों के सम्मान का दिन होता है। यह पर्व महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में मनाया जाता है जिन्होंने मानव समाज को अनमोल ज्ञान दिया।गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति का पावन पर्व है जो ज्ञान,शिक्षण और मार्गदर्शक के प्रतीक गुरु को समर्पित होता है, यह दिन गुरु शिष्य परंपरा को सम्मान देने का उत्तम अवसर है7 हमारे माता-पिता भी हमारे शिक्षक की भांति होते है और वो भी सम्मान के अधिकारी है।अंत में प्रधानाचार्य ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर उप- प्रधानाचार्या रजनी श्रीवास्तव, शिक्षक-शिक्षकाएं व छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल में वेद व्यास जी की जन्म दिवस पर मनाया गई गुरु पूर्णिमा

● "गुरु ही वह दीपक हैं जो अज्ञान के अंधकार को दूर करते हैं और जीवन में सफलता की राह दिखाते हैं।"

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज, रायबरेली- शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी एवं विधार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित शिक्षण संस्थान न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल में गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भाषण, कविताओं के माध्यम से अपनी श्रद्धा प्रकट की। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवांग अवस्थी एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने दीप प्रज्वलन करके सरस्वती वंदना से किया। बच्चों ने 'गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु' श्लोक के साथ गुरु की महिमा का गुणगान किया।

कार्यक्रम कि अगली कड़ी में विद्यालय में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य पर विभिन्न प्रकार कि प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया जैसे निबंध लेखन, वाद - विवाद,भाषण आदि पर बच्चों ने अपने अपने विचार प्रस्तुत किये।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अपने प्रेरणादायक भाषण में कहा कि "गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुर्गुरुर्देवो महेश्वरः।

गुरु- साक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः "भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान बहुत ही आदरणीय है। "गुरु ही वह दीपक हैं जो अज्ञान के अंधकार को दूर करते हैं और जीवन में सफलता की राह दिखाते हैं।" कार्यक्रम में शिक्षकों, अभिभावकों व विद्यार्थियों की सहभागिता सराहनीय रही।

कॉलेज के संस्थापक की मनाई गई अठारहवीं पुण्यतिथि

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ- लतीफपुर गांव स्थित श्री महेश सिंह सरस्वती इंटर कॉलेज के संस्थापक व पूर्व प्रबंधक आनंद पाल सिंह की मनाई गई पुण्य तिथि।छात्र - छात्राओं को किया गया सम्मानित।मुख्य अतिथि के रूप में बच्चन लाल त्रिपाठी (सेवानिवृत्त स्थापना लिपिक जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय)पहुंचे।

गुरुवार को माल क्षेत्र के श्री महेश सिंह सरस्वती इंटर कॉलेज के संस्थापक व पूर्व प्रबंधक आनंद पाल सिंह की अठारहवीं पुण्यतिथि कॉलेज परिसर में मनाई गई। उनके चित्र पर दीप जलाकर, माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबन्धक गीता सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि संस्थापक ने ग्रामीण क्षेत्र में विद्यालय की नींव रखी थी। उनकी सोच थी जब गांव के बच्चे पढ़ कर आगे जाएंगे तभी देश का विकास संभव है। इस सोच के साथ उन्होंने शिक्षा की अलख जगाई। आज विद्यालय द्वारा शिक्षित छात्र तमाम उपयोगी पद पर योगदान कर देश व राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। उनके योगदान को छात्र एवं अभिभावक सदा याद रखेंगे। मौके पर तमाम लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

श्री महेश सिंह सरस्वती इंटर कालेज के संस्थापक व पूर्व प्रबंधक आनंद पाल सिंह की 18वी पूण्य स्मृति दिवस पर विगत वर्षो की भांति बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण हाई स्कूल मेंधावी छात्र छात्राओं को प्रबन्ध समिति द्वारा रु.51 सौ की कक्षा ग्यारह की फीस में छूट तथा कक्षा बारह में पहुंचने पर 51 सौ की फीस में छूट व स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इसी तरह इंटर मीडिएट उत्तीर्ण छात्र/छात्राओं को एक हजार एक रूपए नकद पुरुस्कार तथा स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया इसी क्रम में लगातार 10 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर चुके सभी शिक्षको को ग्यारह सौ व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया तथा पूर्व छात्रों (1996 विद्यालय के प्रारंभ से) व उनके अभिभावकों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

"एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात

सिधौली/सीतापुर। श्री गांधी महाविद्यालय, सिधौली सीतापुर में आज ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के अंतर्गत एक प्रेरणादायक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रवीन्द्र कुमार सिंह ने की, जबकि कार्यक्रम का सफल संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई के सक्रिय कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अजय कुमार द्वारा किया गया। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृ सम्मान की भावना को जाग्रत करना है। विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्वयंसेवकों ने मिलकर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के फलदार, छायादार और औषधीय पौधे रोपे। वृक्षों को माताओं के नाम समर्पित करते हुए प्रतिभागियों ने पर्यावरण संवर्धन का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. रवीन्द्र कुमार सिंह ने कहा "वृक्ष केवल हरियाली नहीं लाते, वे हमारे जीवन का आधार हैं। जब हम एक पेड़ मां के नाम लगाते हैं, तो यह एक भावनात्मक और सामाजिक जिम्मेदारी दोनों का परिचायक बनता है।"

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अजय कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा "राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य समाज के प्रति जागरूकता और सेवा भावना को विकसित करना है। यह वृक्षारोपण अभियान उसी दिशा में एक सशक्त कदम है।" इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, एनएसएस स्वयंसेवक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए महाविद्यालय प्रबंधन ने वृक्षों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प भी दोहराया।

दबंग युवकों ने लाइब्रेरी संचालक और बिल्डिंग मालिक की जमकर की पिटाई, गले से सोने की चेन लूटी

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर के कोतवाली महमूदाबाद क्षेत्र में स्थित एक निजी लाइब्रेरी में उस वक्त हड़कंप मच गया जब कुछ दबंग युवकों ने लाइब्रेरी संचालक और बिल्डिंग मालिक की जमकर पिटाई कर दी। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है जानकारी के अनुसार, नगर स्थित इस लाइब्रेरी में अभय नामक युवक रोजाना पढ़ने आता था बुधवार शाम को वह लाइब्रेरी के पास बिल्डिंग के दूसरे पोर्शन में रेलिंग के पास खड़ा होकर बातचीत कर रहा था इसी दौरान भवन स्वामी शिवम कुमार वर्मा पुत्र स्व. कमल कुमार वर्मा ने उसे टोका और छत से हटकर लाइब्रेरी में जाकर पढ़ाई करने की सलाह दी बताया जा रहा है कि इसी बात को लेकर अभय और शिवम वर्मा में कहासुनी हो गई इसके बाद अभय ने फोन कर अपने कुछ अज्ञात साथियों को मौके पर बुला लिया जिन्होंने पहुंचते ही शिवम पर हमला कर दिया और उसकी बेरहमी से पिटाई की आरोप है कि इस दौरान पीड़ित के गले में पहनी सोने की चेन, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 87 हजार रुपए बताई जा रही भी आरोपियों ने लूट ली और मौके से फरार हो गए।

घटना के बाद नगर में आक्रोश फैल गया देर शाम पीड़ित पक्ष के लोग बड़ी संख्या में कोतवाली महमूदाबाद पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ प्रार्थनापत्र सौंपा पीड़ित ने अभय और उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ मारपीट, धमकी और लूटपाट का आरोप लगाया है कोतवाली पुलिस निरीक्षक अनिल सिंह का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी जल्द ही आरोपियों को हिरासत में लेकर कार्रवाई की जाएगी!!

शहर कांग्रेस के पदाधिकारी का पदभार ग्रहण समारोह

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह जेल रोड स्थित ट्रीट होटल में आयोजित किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद राकेश राठौर ने कांग्रेस के सामाजिक न्याय को जनता तक पहुंचाने का आवाहन शहर पदाधिकारी से किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शहर कोऑर्डिनेटर सिद्धार्थ शंकर त्रिवेदी ने आए हुए सभी पदाधिकारी का स्वागत करते हुए कहा कि शहर कांग्रेस सीतापुर जल्द ही अपनी नई कमेटी के साथ जनता से संवाद स्थापित करेगी एवं कांग्रेस संगठन को वार्ड एवं बूथ स्तर तक मजबूत करने का काम करेगी शहर अध्यक्ष शिशिर बाजपेई ने आए हुए सभी कांग्रेस पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कांग्रेस जनों का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस सदैव जन सरोकार की मांगों को उठाती रहेगी एवं बेरोजगारी, महंगाई, महिला उत्पीड़न, एवं शहर की ज्वलंत समस्याओं एवं स्थानीय मुद्दों पर सरकार को घेरती रहेगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ ममता वर्मा, पूर्व विधायक हरीश बाजपेई, पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश निषाद, उत्कर्ष अवस्थी, विनीत दीक्षित, कयूम अंसारी, आनंद श्रीवास्तव आमोद मिश्रा संजीत नाथ गुप्ता जमुना प्रसाद शर्मा श्याम सुंदर दीपा वैश्य अरुण तिवारी शैलेंद्र सिंह टी एन सिंह यादव राकेश अवस्थी फरहत बेग सनी,संजय कुमार सनी, श्रीश चंद्र शुक्ला, जेपी शुक्ला अमित कुमार मिश्रा,रिजवान खान, उपदेश गुप्ता रामचंद्र भार्गव मीना मिश्रा प्रेमलता शुक्ला शाहवेज मुख्तार, डॉ रिचा मिश्रा पवन कुमार शुक्ला आशीष पांडे मशहूर अहमद खान अहमद अंसारी मथुरा प्रसाद यादव रविकांत धर्मेश दीक्षित आनंद नारायण सर्वेश प्रताप सिंह राकेश कुमार पाल नोमान अंसारी इमरान अली श्यामू पांडे अभय कुमार फरीद मोहसिन श्रीमती शिव प्यारी शाकिब अंसारी अंकित सिंह गिरीश शर्मा मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, बेबी, आदि लोग मौजूद रहे।

कावंड यात्रा की तैयारी बिजली के खंभों पर लगाई जा रही पॉलिथीन, श्रद्धालुओं की सुरक्षा का रखा जा रहा ध्यान

सीतापुर जनपद सीतापुर के लहरपुर में श्रावण मास की शुरुआत से पहले कांवड़ यात्रा की तैयारियां शुरू हो गई हैं विद्युत विभाग श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बिजली के खंभों पर पॉलिथीन लगा रहा है हर साल श्रावण मास में लाखों कांवड़िए रतनगंज से जल लेकर तंबौर और लहरपुर होते हुए छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ जाते हैं क्षेत्र के प्रसिद्ध संत त्यागी बाबा इस यात्रा का नेतृत्व करते हैं इसके अलावा, क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा जंगली नाथ मंदिर और बाबा कामेश्वर नाथ धाम सूर्यकुंड की यात्रा करते हैं। पिछले वर्षों में बिजली के खंभों पर करंट उतरने की घटनाएं हुई हैं सरकार के निर्देश पर विद्युत विभाग कांवड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठा रहा है यात्रा मार्ग पर स्थित सभी बिजली के खंभों को पॉलिथीन से ढका जा रहा है ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना को रोका जा सके!!

संक्षिप्त खबरें

बरसात से चौबिया पाडा में गिरा मकान का एक हिस्सा

मथुरा। बारिश के दौरान जर्जर मकान का हिस्सा गिर गया। मथुरा के चौबिया पाड़ा क्षेत्र में छौंका पाड़ा मोहल्ले में मंगलवार शाम एक जर्जर मकान का हिस्सा गिर गया। मलबा पड़ोसी संजय चतुर्वेदी के मकान पर गिरने से उनके घर को नुकसान पहुंचा। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम को कई बार सूचना देने के बावजूद जर्जर इमारतों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे आमजन की सुरक्षा को लेकर प्रश्न उठ रहे हैं। घटना के समय बारिश हो रही थी और रास्ता खाली होने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ। मोहल्ले में धमाके की आवाज से अफरा-तफरी मच गई। संजय चतुर्वेदी ने बताया कि बारिश के दौरान अचानक जोरदार धमाका हुआ। जब वे बाहर निकले तो देखा कि मकान का बड़ा हिस्सा उनके घर पर गिर चुका था। स्थानीय निवासियों के अनुसार यह मकान पहले से ही जर्जर स्थिति में था। इसकी शिकायत कई बार की जा चुकी थी। संजय चतुर्वेदी ने प्रशासन और मकान मालिक से मकान के बचे हुए खतरनाक हिस्से की मरम्मत की मांग की है।

डिप्टी सीएम से मिला धनगर समाज का प्रतिनिधिमंडल

मथुरा। धनगर समाज के प्रमाण पत्र (जाति प्रमाणपत्र) जारी होने में आ रही बाधाओं को दूर करने की मांग को लेकर मथुरा के एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से लखनऊ में भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री के समक्ष समाज के धनगर प्रमाणपत्रों में आ रही समस्याओं को विस्तारपूर्वक रखते हुए, प्रमाणपत्रों में आ रही प्रशासनिक अड़चनों को शीघ्र दूर करने की मांग की। उप मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बात को गंभीरता को सुना तथा आश्वासन दिया कि जल्द ही धनगर प्रमाणपत्र पत्र जारी होंगे। प्रतिनिधिमंडल में क्षेत्र पंचायत सदस्य मुकेश धनगर, कृष्णा जादूगर,रंजीत सिंह अध्यापक और ललित धनगर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं का सामान चुराने के आरोप में चार महिलाओं सहित सात गिरफ्तार

मथुरा। वुंदावन आने वाले श्रद्धालुओं का सामान चुराने के आरोप में पुलिस ने चार महिलाओं सहित कुछ सात लोगों गिरफ्तार कर जेल भेजा है। थाना वृन्दावन पुलिस ने श्री बांकेबिहारी जी मन्दिर में श्रद्धालुओं से मोबाइल फोन, पर्स चोरी करने वाले सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किये गये अभियुक्तों में चार महिला भी शामिल हैं। थाना वृन्दावन पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर अमित गोयल पुत्र अशोक कुमार निवासी नागलोई मैन नजफगढ रोड थाना निहाल बिहार पश्चिमी दिल्ली, कयूम पुत्र आबल निवासी दूसरा पुस्ता न्यू उस्मान ओ दिल्ली, उदय पुत्र प्रेम नारायण निवासी विकास पुरी के पास ।थाना विकासपुरी उत्तमनगर दिल्ली व चार महिला अभियुक्ताओ को चोरी के मोबाइल फोन, पर्स व अभियुक्त कयूम से एक चाकू के साथ रेलवे कच्चे मार्ग पर एक पेड के नीचे थानाक्षेत्र वृन्दावन से गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रशान्त कपिल प्रभारी निरीक्षक थाना वृन्दावन, धर्मेन्द्र कुमार निरीक्षक अपराध थाना वृन्दावन, एसआई शिवकुमार चौकी प्रभारी बिहारीजी थाना वृन्दावन, एसआअ सुबोध कुमार थाना वृन्दावन आदि थे।

मठ, आश्रमों में गुरू पूजन को उमड़ी शिष्यों की भीड

गुरु पूर्णिमा पर जगह जगह लगे भंडारे, सेवा में तत्पर रहे ब्रजवासी

मथुरा। ब्रज के मठ मंदिरों में गुरु पूजन के लिए शिष्यों की भीड उमडती रही। आश्रम और मठों में कई दिन से इस पर्व के लिए तैयारियां चल रही थीं। शिष्यों का आगमन भी कई दिन पहले से शुरू हो गया था। रौनक तो थी लेकिन गुरु पूर्णिमा पर उल्लास अपने चरम पर पहुंच गया। गोकुल, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना, नंदगांव, दाउजी, मथुरा आदि धार्मिक स्थलों पर भीड़ उमड़ती रही। ब्रजवासी आगंतुक श्रद्धालुओं की सेवा में कभी कोई कोर कसर नहीं छोड़ते हैं। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर भी जगह जगह भंडारों का आयोजन किया गया। बृज यातायात एवं पर्यावरण जन जागरूकता रजि उत्तर प्रदेश ने सरस्वती मैरिज होम बीएसए कॉलेज रोड मथुरा पर भंडारे का आयोजन किया। भंडारे के संयोजक अजय राजपूत ने कहा हम हर साल इसी तरह का आयोजन गुरु पूर्णिमा पर करते हैं इस आयोजन के माध्यम से बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भोजन और पानी की व्यवस्था हमारी तरफ से रहती है। पार्षद निरंजन सिंह कुटेला ने कहा अजय राजपूत का प्रयास बहुत ही सराहनीय है ऐसे ही सब लोगों को समय-समय पर सेवा करनी चाहिए और मथुरा से अच्छा मैसेज जाना चाहिए। ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जागरूकता समिति रजि उत्तर प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने कहा है कि हमारी समिति समय समय पर ऐसे आयोजन करती रहती है आज के दिन गुरु पूर्णिमा पर अजय राजपूत के द्वारा भांडारेज का आयोजन किया गया है।

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा रेलवे स्टेशन को फ्लैग स्टेशन में उन्नयन का काम शीघ्र शुरू होगा

● सांसद कृपानाथ मालाह सहित रेल मंत्री रवनीत सिंह को धन्यवाद के साथ-साथ संतोष और खुशी व्यक्त विभिन्न क्षेत्रों में।

स्वतंत्र प्रभात

श्रीभूमि – ब्रिटिश शासन काल से ही श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा क्षेत्र के विभिन्न बागानों से उत्पादित चाय पत्तियों सहित विभिन्न सामग्रियों का आयात और निर्यात किया जाता रहा है, लेकिन उस रेलवे स्टेशन को जर्जर अवस्था में छोड़ दिया गया था। हालांकि, स्थानीय लोगों और दलीय राजनीतिक नेताओं की त्वरित कार्रवाई के कारण दुल्लभछड़ा से गुवाहाटी तक रेलवे विस्तार में स्थायी परिवर्तन हुए हैं, लेकिन पेयजल की व्यवस्था, ओवर ब्रिज, शौचालय, स्टेशन मास्टर, यात्रियों के विश्राम गृह और बिजली सेवाओं की कमी के कारण यात्रियों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

इस परिप्रेक्ष्य में करीमगंज यानी श्रीभूमि जिले के लोकप्रिय सांसद कृपानाथ मालाह ने लोकसभा में 04-12-2024 को दुल्लभछड़ा रेलवे स्टेशन की समस्याओं को उठाया था। परिणामस्वरूप रेलवे विभाग के राज्य मंत्री रवनित सिंह ने गत 4 जुलाई 2025 को अपनी चिट्ठी संख्या 2025/TG-IV/3/NFR/01/MR के माध्यम से सांसद कृपानाथ मालाह को बताया कि वर्तमान में दुल्लभछड़ा रेलवे स्टेशन की सभी समस्याओं के समाधान के लिए रेलवे विभाग की ओर से हरी झंडी दी गई है। इस हाल्ट स्टेशन से दुल्लभछड़ा फ्लैग स्टेशन के सुधरने पर यात्रियों को कौन-कौन सी सुविधाएं मिलेंगी जैसे उच्च प्लेटफार्म, प्रकाश व्यवस्था, आधुनिक टिकट काउंटर (UTS/UTS CUMPRS), विश्रामगृह, फुट ओवर ब्रिज, पाइप और हैंडपंप में पेयजल, कूड़ेदान सहित अन्य सुविधाएं। इस खबर के प्रसार पर स्थानीय लोगों ने गहरे संतोष के साथ खुशी व्यक्त की और लोकप्रिय सांसद कृपानाथ मालाह सहित रेलवे राज्य मंत्री रवनित और रेलवे अधिकारियों को धन्यवाद दिया और सराहना की।

मुडिया मेला: मुड़िया संतों ने निकाली परंपरागत शोभायात्रा

● 468 साल से निभाई जा रही है परंपरा, अद्भुत दृश्य देख रोमांचित हो रहे श्रद्धालु

स्वतंत्र प्रभात

ढोल मृदंग की थाप पर मुडिया षोभायात्रा निकालते मुडिया संत।

परिक्रमा मार्ग में उमडी भीड।

मथुरा। गोवर्धन पर्वत के उपर कडकती आकाशीय बिजली के बीच आसमान में घुमडते बरसते घने काले मेघा और तलहटी में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड, तलहटी में द्वापर कालीन अद्भुत दृश्य उपस्थित हो रहा था। मानो इंद्रदेव अपने रौद्र रूप में हौं और ब्रजवासी अपने कान्हा के भरोसे गोवर्धन पर्वत के इर्द गिर्द एकत्रित हो गये हौं। मुडिया मेला में पूर्णमासी की रात को यह सब श्रद्धालुओं को रोमांचित कर रहा था। सप्तकोसीय परिक्रमा मार्ग भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से गुंजायमान था। सब की टेर कान्हा से लगी थी। गुरू पूर्णिमा के दिन में गिरिराज तलहटी गोवर्धन में मुड़िया शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। जिसमें मुड़िया संत ढोल मृदङ्ग की थापों पर नाचते हुए इस प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते हुए नजर आए। यात्रा ने चकलेश्वर से शुरू होकर संपूर्ण कस्बे में भ्रमण किया। मुड़िया शोभायात्रा गिरिराज तलहटी गोवर्धन में लगने वाले मुड़िया मेला का रविवार को मुड़िया शोभायात्रा के साथ समाप्त हो गया। चकलेश्वर स्थित श्रीराधा श्याम सुंदर मंदिर से मुड़िया शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें सभी मुड़िया संत ढोल मृदङ्ग खंजरी की थापों पर नाचते गाते हुए अपने गुरु की याद में इस प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते नजर आए।

यात्रा राधा श्याम सुन्दर मंदिर से निकली और चकलेश्वर से होते हुए दसविसा हरदेव जी मन्दिर बिजली घर से होते हुए दानघाटी मन्दिर बड़ा बाजार हाथी दरवाजा होकर अपने गंतव्य स्थान पर पहुंची। शोभायात्रा में सैकडों संत महात्मा साधु सन्यासिन एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया। वहीं मुड़िया शोभायात्रा का जगह जगह स्वागत हुआ। यह परम्परा लगभग 468 साल पहले शुरू हुई। जब माधव गौडीय सम्प्रदाय के आचार्य श्रीपाद सनातन गोस्वामी श्री चैतन्य महाप्रभु के आदेश पर ब्रजभूमि पधारे तो यहां वृन्दावन के बाद गोवर्धन ही उनकी भजन स्थली बनी।

सनातन गोस्वामी अपने बालों का मुंडन कर भजन साधना में लीन रहते थे। इसलिए सभी उन्हें मुडिया बाबा के नाम से जानते थे। गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करना उनके नित्यकर्म में शामिल था। इसीलिए जब उन्होंने गुरू पूर्णिमा के दिन अपना शरीर छोडा तो गुरु की आज्ञा अनुसार उनके अनुयायियों ने अपने बालों का मुंडन कर मुड़िया शोभायात्रा निकाली। गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा की थी। तब से लेकर आज तक यह परंपरा चली आ रही है। मुड़िया संत इतनी चिलचिलाती धूप में भी ढोल मृदङ्ग खंजरी की थापों पर नाचते गाते हुए अपने गुरु की याद में इस प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते हैं।

सात कोस में सिमट गया मिनी भारत

सात कोस की परिक्रमा में मानो आस्था, श्रद्धा और विश्वास से ओतप्रोत मिनी भारत सिमट गया हो। अलग अलग पहनावे में अलग अलग बोली बोल रहे लोग लेकिन सब का भाव एक ही था। भीड थी लेकिन स्वनियंत्रित, अपार भीड़ को कोई नियंत्रित नहीं कर रहा था बावजूद इसके सब बेहद अनुशासित नजर आ रहे थे। उल्लास, उत्साह और उमंग के सागर में हुड़दंग का नामोनिशान नहीं था। यह अद्भुत और अनूठा आयोजन लोगों के विश्वास को और मजबूत कर रहा था। यही वजह है कि साल दर साल गोवर्धन में मुड़िया मेला पर जुटने वाली भीड़ बढ़ती जा रही है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने सिखाया सबक

● पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में गोली लगने से हुआ लहूलुहान

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी जिससे वह घायल होकर गिर पडा। इसके बाद पुंलिस ने उसे दबोच लिया। घायल अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपित के साथ पुलिस की मुठभेड सुरीर क्षेत्र में हुई। रात को पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी थाना क्षेत्र के गांव टैंटीगांव में घूमता दिखाई दिया है। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक अभय कुमार पुलिस बल के साथ गांव में पहुंच गए। पुलिस को देख आरोपी फायरिंग करते हुए भागने लगा, पुलिस ने टैंटीगांव स्थित यमुना एक्सप्रेस वे के अंडर पास के नीचे आरोपी को घेर लिया। जबावी कार्रवाई में एक गोली आरोपी की टांग में लगी और वह घायल हो गया।

आरोपी के कब्जे से पुलिस ने कब्जे से तमंचा और दो कारतूस जिंदा बरामद किए हैं। एसपी सिटी सुरेश कुमार रावत ने बताया कि 8 जुलाई को गांव में परचून की दुकान के पीछे बनी गैलरी में रिजवान ने 6 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था। बच्ची के पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज हुई थी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुट गई। 8 जुलाई को सुरीर थाना क्षेत्र के गांव में रहने ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर दी। तहरीर में उसने बताया कि उसकी गांव में परचून की दुकान है। दुकान के पीछे कुछ जमीन खाली पड़ी है और एक गैलरी बनी है। घटना के समय वह दुकान पर नहीं था। लौटकर आया तो उसने पत्नी ने बताया कि गांव का रिजवान छह वर्षीय उनकी बेटी को अपने साथ गैलरी में ले गया और गलत काम किया।

द्वारकाधीश मंदिर में हिंडोला व घटा महोत्सव कल से

● स्वर्ण व रजत हिंडौला होंगे द्वारकानाथ के आकर्षण का केन्द्र

रंग बिरंगी घटाओं का होगा अद्भुत नजारा

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। श्रावण मास में नगर का द्वारकाधीश मंदिर विशेष आकर्षण का केन्द्र बनेगा। जहां श्रावण कृष्ण पक्ष दौज 12 जुलाई से 17 अगस्त तक हिंडोला व रंग विरंगी घटाओं का आयोजन होगा। इनकी तिथियां मंदिर के प्रबंधकों ने तय कर दी हैं। पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश की विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि सावन मास के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागिश कुमार महाराज के द्वारा किया जाता है और उन सभी कार्यक्रमों का सफल निर्देशन मंदिर के गोस्वामी काकरोली युवराज वेदांत कुमार महाराज व सिद्धांत कुमार महाराज के द्वारा किया जाता है। 12 जुलाई से 17 अगस्त तक विधवत रूप से तिथि घड़ी पल और नक्षत्र के हिसाब से आयोजन होंगे।

उन्होंने बताया कि ठाकुर जी विभिन्न हिंडोला में विराजमान होंगे। हिंडोले के दर्शन प्रतिदिन शाम 5.10 से 5.40 बजे तक होंगे। इसके उपरांत विभिन्न घटाओं का आयोजन भी किया जाएगा। जिसमें पहली घटा 22 जुलाई को केसरी घटा के नाम से होगी। इसी प्रकार केसरी के बाद हरि घटा, शोषनी घटा, आसमानी घटा, गुलबी घटा, लाल घटा और विश्व की सबसे प्रसिद्ध काली घटा जिसे श्याम घटा कहा जाता है वह 4 अगस्त सोमवार को होगी। उसके बाद 6 अगस्त को लहरिया घटा, सफेद घटा 8 अगस्त को आयोजन होगा। 11 अगस्त को हिंडोला विजय होंगे। 16 अगस्त को जन्माष्टमी का कार्यक्रम और उसके बाद 17 अगस्त को नंद महोत्सव का भव्य कार्यक्रम ठाकुर मंदिर द्वारकाधीश में होगा । जिस दिन घटाओं के दर्शन होंगे उस दिन उद्यापन के दर्शन शाम 5 बजे होंगे और घटाओं के विशेष दर्शन सांयकाल 7 से 8 बजे तक होंगे। मीडिया प्रभारी ने समस्त धर्म प्रेमी जनता से अनुरोध किया है कि दर्शन कर पुण्य के भागी बने।

बरसात के पानी को जल्द से जल्द निकालने की हर जुगत भिड़ा रहा नगर निगम

● जल निकासी के साथ ही लोगों की सुरक्षा का भी रखा जा रहा है ध्यान

रूट डायवर्ट करने के साथ ही बैरिकेडिंग भी करता है नगर निगम

स्वतंत्र प्रभात

तेज बरसात के बावजूद जल्द से जल्द की गई पानी की निकासी।

मथुरा। जलभराव वाले बिन्दुओं से बरसात के पानी की जल्द से जल्द निकासी के लिए हर जुंगत नगर निगम की ओर से लगाई जा रही है। साथ ही लोगों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जा रहा है। जलभराव होने पर रूट डायवर्ट किया जाता है साथ ही बैरिकेडिंग कर लोगों को जलभराव वाले स्थानों पर जाने से भी रोका जा रहा है। नगर निगम का प्रयास यही है कि बरसात होने पर जितना जल्द हो पानी को निकाल कर यातायात को सुचारू किया जाये। लगातार हुई भारी बारिश के कारण जलभराव की स्थिति में नगर निगम ने त्वरित कार्यवाही की। रुक रुक कर करीब चार घंटे हुई भारी वर्षा के कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने पर महापौर विनोद अग्रवाल एवं नगर आयुक्त जग प्रवेश के निर्देशन में तत्काल जल निकासी कार्य प्रारंभ कराया गया। नगर निगम की टीम द्वारा जल भराव वाले प्रभावित स्थलों में तत्काल पहुंचकर जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, महाप्रबंधक जल, सहायक अभियंता, अवर अभियंता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी तथा संबंधित सफाई निरीक्षक स्थल पर उपस्थित रहकर जल निकासी कार्य की निगरानी कर रहे हैं। भूतेश्वर अंडरपास पर जल निकासी के लिए चार स्थायी एवं चार अतिरिक्त अस्थायी ट्रैक्टर पंप लगाए गए हैं। कार्य तीव्र गति से चल रहा है और प्रयास किया जा रहा है कि बरसात के पानी की जल्द से जल्द जल निकासी पूर्ण कर ली जाएगी। जिससे कि यातायात को सामान्य किया जा सके। नया बस स्टैंड अंडरपास पर जल निकासी के लिए तीन स्थायी एवं तीन अस्थायी ट्रैक्टर पंप क्रियाशील है जिससे वहां आवागमन पूर्णतः सुचारू है। कंकाली रोड पर जल निकासी के लिए एक ट्रैक्टर पंप सेट लगाकर आवागमन सुचारु कराया गया। भूतेश्वर अंडरपास पर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग कर मार्ग डायवर्ट किया गया है। सभी अधिकारी अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहकर जल निकासी करा रहे हैं। नगर आयुक्त द्वारा यह निर्देश दिए गए हैं कि सभी संबंधित अधिकारी स्थल पर मौजूद रहकर जल निकासी सुनिश्चित करें जिससे कि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मत्स्य पालक दिवस पर किसानो का सम्मान एवं रिवर रैचिंग

स्वतंत्र प्रभात

रिवर रैचिंग करती पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय की टीम।

मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान मथुरा विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा 9 व 10 जुलाई को राष्ट्रीय मत्स्य पालक दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी प्रो. देश दीपक सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन योगेश चौधरी, सदस्य विधान परिषद, उत्तर प्रदेश तथा डा. देविका पिल्लै, सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अरूण कुमार मदान कुलपति, दुवासु द्वारा की गई। मुख्य अतिथि योगेश चौधरी ने किसानों से मत्स्य पालन के उन्नत एवं वैज्ञानिक तौर तरीको को अपनाने का आव्हान किया तथा बताया कि फिशरीज में स्नातक तथा उच्च शिक्षा से रोजगार प्राप्ति की अपार सभावनाए है। क्षेत्र के लगभग 100 मत्स्य पालकों की उपस्थिति में चार मत्स्य पालकों को उत्कृष्ट मत्स्य पालक का सम्मान दिया गया। मत्स्य उत्पादन तथा उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ठ अतिथि डा0 हरेन्द्र प्रसाद, उप निदेशक आगरा मण्डल तथा अभिषेक शुक्ला, एजीएम नाबार्ड द्वारा सम्बोधित किया गया। इस अवसर पर मत्स्य पालन से सम्बन्धित तकनीकी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें फिशरीज सेक्टर से जुड़ी विभिन्न कम्पनियों ने प्रदर्शनी में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, मत्स्य एवं पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय भारत सरकार के वित्तीय सहयोग एवं मार्ग दर्शन में किया गया जिसमें प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सभी यमुना नदी में भारतीय कार्प मछलियों की बड़े आकार की अगुलिकाओं को छोडकर रीवर रैचिंग की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति ने मत्स्य पालन तथा पशुपालन के समन्वित व्यवहार से किसानों की आय वृद्धि तथा समृद्धि का विस्तार से वर्णन किया। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. नित्यानन्द पाण्डेय ने महाविद्यालय को फिशरीज शिक्षा के लिए उत्कृष्ट तथा क्षेत्र के किसानों के लिए मत्स्य पालन तकनीकी जानकारी का एक प्रमुख केन्द्र बताया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक तथा अधिकारी गणों ने भाग लिया तथा कार्यक्रम व्यवस्था में डा. लक्ष्मी प्रसाद, डा परमवीर सिंह, डा मुक्ता सिंह, डा आर श्रीनू, अम्बरीश सिंह एवं कु.साक्षी मौर्या तथा शकील अहमद खां और सन्तोष कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई।

जयगुरुदेव आश्रम पर हजारों की संख्या में जुटे अनयाई

● गुरु पूर्णिमा सत्संग मेला में गुरुपूर्णिमा के दिन पंकज महाराज ने किये प्रवचन

स्वतंत्र प्रभात

गुरुपूर्णिमा सत्संग मेला में गुरुपूर्णिमा के दिन प्रवचन करते पंकज महाराज।

मथुरा। जयगुरुदेव नाम योग साधना मन्दिर पर चल रहे गुरुपूर्णिमा सत्संग मेला में गुरुपूर्णिमा के दिन पंकज महाराज ने मन्दिर में गुरु महाराज का पूजन किया। अपने प्रवचन में संतों की महिमा, सृष्टि की रचना, सुरत शब्द की साधना और जयगुरुदेव नाम की महिमा को बताया। उन्होंने कहा कि अच्छे समाज के निर्माण के लिये वैचारिक परिवर्तन का आधार शाकाहार सदाचार और नशामुक्ति है। जिसका प्रचार प्रसार निरन्तर हम सभी प्रेमियों को करते रहना है। इसी से देश-दुनिया में परिवर्तन आयेगा। उन्होंने बताया कि इस संसार के मालिक काल प्रभु हैं। जो दुनिया के जीवों को फंसा करके रखे हैं। संसार में यह बड़ी बिडम्बना है कि जो जीवों को मारता है, खाता है उसी की लोग पूजा कर रहे हैं। संत महापुरुष धरा भूमि पर आकर जीवों को समझाते हैं कि मनुष्य शरीर में उस प्रभु से मिलने का एक मात्र दरवाजा है। सुरत-शब्द, नाम भेद देकर उस दरवाजे को खोलने का भेद बताते हैं। हमारे गुरु महाराज बाबा जयगुरुदेव जी महाराज ने आवाज लगाया कि इन्सानों तुम मानव कर्म और धर्म को अपना लो। दादा गुरु पूज्यपाद स्वामी घूरेलाल जी महाराज के 77वें वार्षिक भण्डारा आगामी 28 नवम्बर से 2 दिसम्बर तक जयगुरुदेव आश्रम मथुरा में मनाने जाने की घोषणा किया और उसमें सपरिवार भाग लेने का निमन्त्रण दिया। गुरु पूर्णिमा पावन पर्व पर जयगुरुदेव नाम योग साधना मन्दिर में पंकज जी महाराज के पूजन के बाद श्रद्धालु भाई और बहनें अलग-अलग कतारों में लग करके अपने गुरु से दया, दुआ की याचना करते हुये देखे गये। पूजन का कार्यक्रम निरन्तर 12 जुलाई तक चलता रहेगा। मेला मैदान प्रेमियों से भरा हुआ था। लोग अपने घरों को वापस लौटने लगे।

3,08,906 बच्चों को पिलाई जाएगी विटामिन ए की खुराक

● नौ माह से पांच वर्ष तक के बच्चों के लिए विटामिन ए सम्पूर्ण कार्यक्रम का सी.एम.ओ. ने किया शुभारम्भ'

मथुरा। आगामी एक माह तक चलने वाले 'विटामिन ए सम्पूरण कार्यक्रम' का शुभारम्भ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संजीव यादव ने बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाकर किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संजीव यादव ने बताया कि अभियान के अंतर्गत नौ माह से पांच वर्ष तक के बच्चों को प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को शहरी एवं ग्रामीण टीकाकरण सत्रों पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा विटामिन ए सम्पूरण खुराक निःशुल्क पिलाई जायेगी। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. रोहितास सिंह ने बताया कि जनपद भर में विटामिन ए सम्पूरण कार्यक्रम अभियान में 3,08,906 नौ माह से पांच वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाने का टारगेट पूरा किया जाएगा। इसके लिये जनपद में अभियान के दौरान स्वास्थ्य एवं आईसीडीएस विभाग के संयुक्त प्रयासों से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में छाया वीएचएसएनडी सत्रों पर एएनएम द्वारा विटामिन ए की दवा पिलाई जायेगी तथा बच्चों को मोबिलाइज करने का दायित्व आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा किया जायेगा। अभियान के शुभारम्भ के अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आलोक कुमार, डिप्टी सीएमओ डॉ अनुज चौधरी, डिप्टी सीएमओ डॉ भूदेव सिंह, चिकित्सा अधीक्षक राल डॉ राकेश सिंह, डीसीपीएम डॉ पारुल शर्मा, डीएमसी यूनिसेफ़ पूनम यादव, वीसीसीएम यूएनडीपी भुवनेश्वर शर्मा, जेएसआई सीएसओ को ऑर्डिनटर संजय यादव, एचएस नेम सिंह, बीसीपीएम शशिकांत, सीएचओ नगमा, एएनएम कविता मीणा, सीएसओ को ऑर्डिनटर सुमित, आशा संगिनी लक्ष्मी देवी, आशा सुनीता, आशा कमलेश, आंगनबाड़ी सहायिका रूपो आदि मौजूद रहे।